'जप', 'पूजन' एवं 'हवन' हेतु

'कौल-कल्पतरु'
चण्डी

दश महा-विद्या शत-नामावली

माँ भगवती श्रीबगला

३०/-

सङ्कल्प

'**अष्टोत्तर-शत-नामावली**' द्वारा पूजन करने के पूर्व '**सङ्कल्प**' निम्न प्रकार करना चाहिए–

ॐ तत्सत् अद्यैतस्य ब्रह्मणोऽह्नि-द्वितीय-प्रहरार्द्धे श्वेत-वराह-कल्पे जम्बू-द्वीपे भरत-खण्डे आर्यावर्त्त-देशे अमुक-पुण्य-क्षेत्रे कलि-युगे कलि-प्रथम-चरणे अमुक-संवत्सरे अमुक-मासे अमुक-पक्षे अमुक-तिथौ अमुक-वासरे अमुक-गोत्रोत्पन्नो अमुक-नाम- शर्मा-वर्मा-दास अहं श्रीअमुक-देवता-प्रीत्यर्थं शत-नाम-मन्त्रैः यथा-शक्ति यजनं करिष्ये ।

उक्त **सङ्कल्प-वाक्य** में जहाँ-जहाँ '**अमुक**'-शब्द है, वहाँ-वहाँ सम्बन्धित नाम का उच्चारण करना होता है । जैसे **अमुक-पुण्य-क्षेत्रे** के स्थान पर, साधक जिस **पुण्य-क्षेत्र** में हो उसका उल्लेख करना चाहिए । इसी प्रकार '**अमुक-संवत्सरे**' के स्थान पर, जो '**संवत्**' चल रहा हो उसका नाम कहा जाएगा ।

'**अमुक-मासे**' के स्थान पर, जो '**मास**' हो उसका उल्लेख होगा । '**अमुक-पक्षे**' के स्थान पर, जो '**पक्ष**' हो (कृष्ण पक्ष या शुक्ल पक्ष) उसका उल्लेख होगा । '**अमुक-तिथौ**' के स्थान पर, जो '**तिथि**' हो उसका उल्लेख होगा । '**अमुक-वासरे**' के स्थान पर, जो '**वार**' (**दिन**) हो उसका उल्लेख होगा ।

'**अमुक-गोत्रोत्पन्नो**' के स्थान पर, साधक का जो '**गोत्र**' हो उसका उल्लेख होगा । '**अमुक-नाम**' के स्थान पर, साधक को अपने नाम के साथ '**शर्मा-वर्मा-दास**' में से किसी एक पद का उल्लेख करना चाहिए । '**श्री अमुक-देवता-प्रीत्यर्थं**' के स्थान पर, साधक को जिस देवी की उपासना '**अष्टोत्तर-शत-नाम**' द्वारा करनी हो, उसका उल्लेख करना चाहिए । जैसे यदि साधक को **भगवती काली की उपासना** करनी है, तो उसे '**श्रीकाली-देवता-प्रीत्यर्थं**' कहना होगा ।

साधक यदि दक्षिण भारत में हो, तो '**आर्यावर्त्त**' के स्थान पर '**दक्षिणावर्त्ते**', '**दक्षिण-भारते**' आदि शब्दावली का प्रयोग कर सकता है ।

'चण्डी' : विशेष प्रस्तुति

दश महा-विद्या-अष्टोत्तर-शत-नामावली

- श्रीकाली-ककारादि-नाम-शताष्टक-नामावली ४
- श्रीतारा-शत-नामावली ६
- श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ८
- श्रीललिता-अष्टोत्तर-शत-नामावली १०
- श्रीषोडशी-अष्टोत्तर-शत-नामावली १२
- श्रीभुवनेश्वरी-अष्टोत्तर-शत-नामावली १४
- श्रीभैरवी-अष्टोत्तर-शत-नामावली १६
- श्रीछिन्नमस्ता-अष्टोत्तर-शत-नामावली १८
- श्रीधूमावती-अष्टोत्तर-शत-नामावली २०
- श्रीबगला-अष्टोत्तर-शत-नामावली २२
- श्रीमातङ्गी-अष्टोत्तर-शत-नामावली २४
- श्रीकमला-अष्टोत्तर-शत-नामावली २६
- ककार-कूट-घटित-आद्या-शत-नामावली २८
- श्रीबगला-अष्टोत्तर-शत-नामावली २९
- श्रीललिता-लकारादि-शत-नामावली ३०

✶

सम्पादक

रमादत्त शुक्ल

ऋतशील शर्मा

प्रकाशक

पण्डित देवीदत्त शुक्ल स्मारक :

परा-वाणी आध्यात्मिक शोध-संस्थान

श्रीचण्डी-धाम, प्रयाग-राज-२११००६ ☎(०५३२)-२५०२७८३

■ श्रीकाली-ककारादि-नाम-शताष्टक-नामावली ■

१. श्रीकाल्यै नमः। २. श्रीकपालिन्यै नमः। ३. श्रीकान्तायै नमः। ४. श्रीकामदायै नमः। ५. श्रीकाम-सुन्दर्यै नमः। ६. श्रीकाल-रात्र्यै नमः। ७. श्रीकालिकायै नमः। ८. श्रीकाल-भैरव-पूजितायै नमः। ९. श्रीकुरु-कुल्लायै नमः। १०. श्रीकामिन्यै नमः। ११. श्रीकमनीय-स्वभाविन्यै नमः। १२. श्रीकुलीनायै नमः। १३. श्रीकुल- कर्त्र्यै नमः। १४. श्रीकुल-वर्त्म-प्रकाशिन्यै नमः। १५. श्रीकस्तूरी-रस-नीलायै नमः। १६. श्रीकाम्यायै नमः। १७. श्रीकाम-स्वरूपिण्यै नमः। १८. श्रीककार-वर्ण- निलयायै नमः। १९. श्रीकाम-धेनवे नमः। २०. श्रीकरालिकायै नमः। २१. श्रीकुल-कान्तायै नमः। २२. श्रीकरालास्यायै नमः। २३. श्रीकामार्त्तायै नमः। २४. श्रीकलावत्यै नमः। २५. श्रीकृशोदर्यै नमः।

२६. श्रीकामाख्यायै नमः। २७. श्रीकौमार्यै नमः। २८. श्रीकुल-पालिन्यै नमः। २९. श्रीकुलजायै नमः। ३०. श्रीकुल-कन्यायै नमः। ३१. श्रीकलहायै नमः। ३२. श्रीकुल-पूजितायै नमः। ३३. श्रीकामेश्वर्यै नमः। ३४. श्रीकाम-कान्तायै नमः। ३५. श्रीकुञ्जरेश्वर-गामिन्यै नमः। ३६. श्रीकाम- दात्र्यै नमः। ३७. श्रीकाम-हर्त्र्यै नमः। ३८. श्रीकृष्णायै नमः। ३९. श्रीकपर्दिन्यै नमः। ४०. श्रीकुमुदायै नमः। ४१. श्रीकृष्ण-देहायै नमः। ४२. श्रीकालिन्द्यै नमः। ४३. श्रीकुल-पूजितायै नमः। ४४. श्रीकाश्यप्यै नमः। ४५. श्रीकृष्ण-मात्रे नमः। ४६. श्रीकुलिशाङ्क्यै नमः। ४७. श्रीकलायै नमः। ४८. श्रीक्रीं-रूपायै नमः। ४९. श्रीकुल- गम्यायै नमः। ५०. श्रीकमलायै नमः।

५१. श्रीकृष्ण-पूजितायै नमः। ५२. श्रीकृशाङ्क्यै नमः। ५३. श्रीकिन्नर्यै नमः। ५४. श्रीकर्त्र्यै नमः। ५५. श्रीकल-कण्ठ्यै नमः। ५६. श्रीकार्तिक्यै नमः। ५७. श्रीकम्बु-कण्ठ्यै नमः। ५८. श्रीकौलिन्यै नमः। ५९. श्रीकुमुदायै नमः। ६०. श्रीकाम-जीविन्यै नमः। ६१. श्रीकुल-स्त्रियै नमः। ६२. श्रीकीर्तिकायै नमः। ६३. श्रीकृत्यायै नमः। ६४. श्रीकीर्त्यै नमः। ६५. श्रीकुल-पालिकायै नमः। ६६. श्रीकाम-देव-कलायै नमः। ६७. श्रीकल्प-लतायै नमः। ६८. श्रीकामाङ्ग-वर्धिन्यै नमः। ६९. श्रीकुन्तायै नमः। ७०. श्रीकुमुद-प्रीतायै नमः। ७१. श्रीकदम्ब-कुसुमोत्सुकायै नमः। ७२. श्रीकादम्बिन्यै नमः। ७३. श्रीकमलिन्यै नमः। ७४. श्रीकृष्णानन्द-प्रदायिन्यै नमः। ७५. श्रीकुमारी-पूजन-रतायै नमः।

७६. श्रीकुमारी-गण-शोभितायै नमः। ७७. श्रीकुमारी-रञ्जन-रतायै नमः। ७८. श्रीकुमारी-व्रत-धारिण्यै नमः। ७९. श्रीकङ्काल्यै नमः। ८०. श्रीकमनीयायै नमः। ८१. श्रीकाम-शास्त्र-विशारदायै नमः। ८२. श्रीकपाल-खट्वाङ्ग-धरायै नमः। ८३. श्रीकाल-भैरव-रूपिण्यै नमः। ८४. श्रीकोटर्यै नमः। ८५. श्रीकोटराक्ष्यै नमः। ८६. श्रीकाश्यै नमः। ८७. श्रीकैलास-वासिन्यै नमः। ८८. श्रीकात्यायिन्यै नमः। ८९. श्रीकार्य-कर्यै नमः। ९०. श्रीकाव्य-शास्त्र-प्रमोदिन्यै नमः। ९१. श्रीकामाकर्षण-रूपायै नमः। ९२. श्रीकाम-पीठ-निवासिन्यै नमः। ९३. श्रीकङ्किन्यै नमः। ९४. श्रीकाकिन्यै नमः। ९५. श्रीक्रीडायै नमः। ९६. श्रीकुत्सितायै नमः। ९७. श्रीकलह-प्रियायै नमः। ९८. श्रीकुण्ड-गोलोद्भव-प्राणायै नमः। ९९. श्रीकौशिक्यै नमः। १००. श्रीकीर्ति-वर्द्धिन्यै नमः।

१०१. श्रीकुम्भ-स्तन्यै नमः। १०२. श्रीकटाक्षायै नमः। १०३. श्रीकाव्यायै नमः। १०४. श्रीकोक-नद-प्रियायै नमः। १०५. श्रीकान्तार-वासिन्यै नमः। १०६. श्रीकान्त्यै नमः। १०७. श्रीकठिनायै नमः। १०८. श्रीकृष्ण-वल्लभायै नमः।

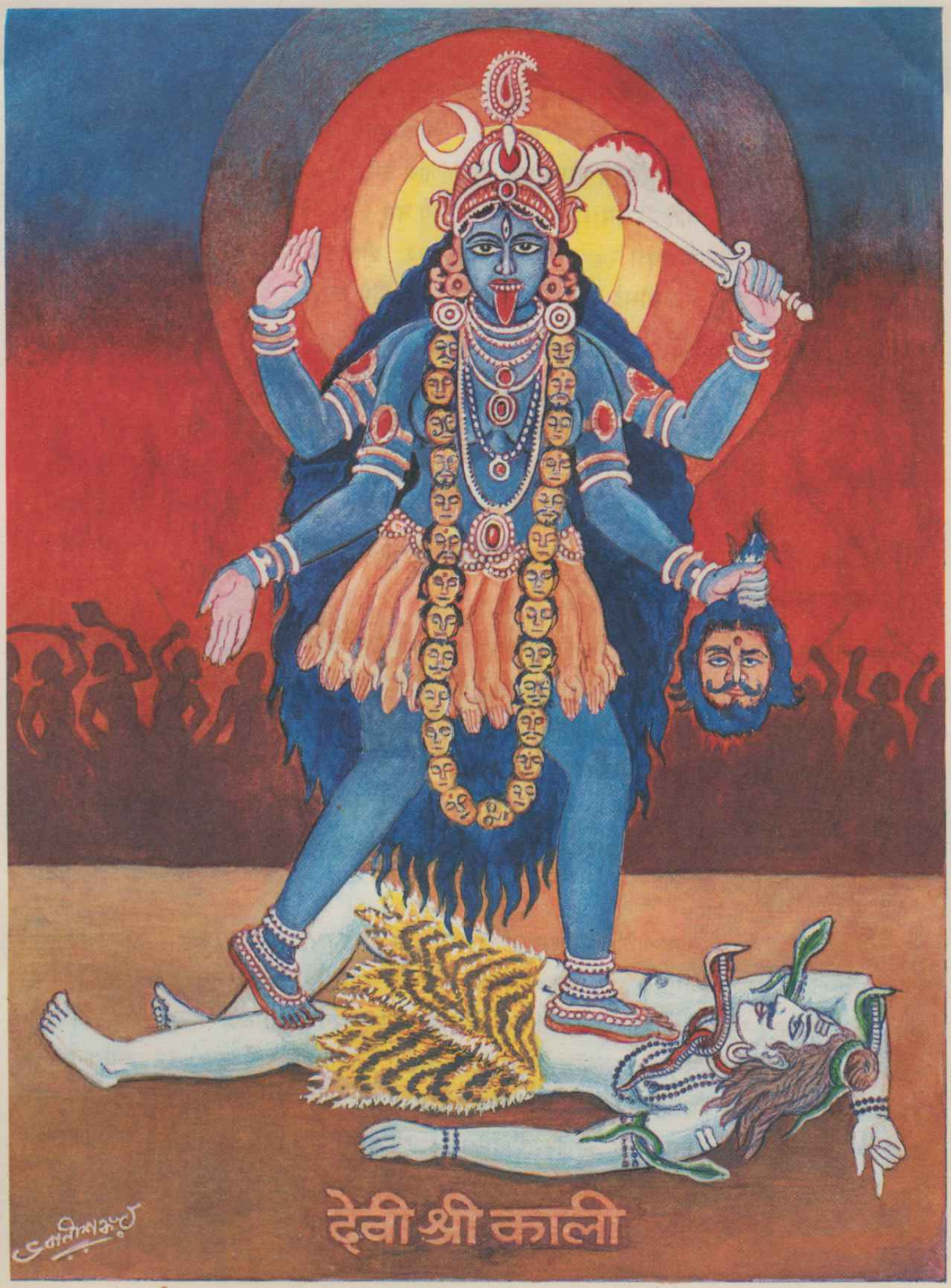
देवी श्री काली

■ श्रीतारा-शत-नामावली ■

१. श्रीतारिण्यै नमः। २. श्रीतरलायै नमः। ३. श्रीतन्व्यै नमः। ४. श्रीतारायै नमः। ५. श्रीतरुण-वल्लर्यै नमः। ६. श्रीतीव्र-रूपायै नमः। ७. श्रीतर्यै नमः। ८. श्रीश्यामायै नमः। ९. श्रीतनु-क्षीणायै नमः। १०. श्रीपयोधरायै नमः। ११. श्रीतुरीयायै नमः। १२. श्रीतरुणायै नमः। १३. श्रीतीव्रायै नमः। १४. श्रीतीव्र-गमनायै नमः। १५. श्रीनील-वाहिन्यै नमः। १६. श्रीउग्र-तारायै नमः। १७. श्रीजयायै नमः। १८. श्रीचण्ड्यै नमः। १९. श्रीश्रीमदेक-जटायै नमः। २०. श्रीशिवायै नमः। २१. श्रीतरुण्यै नमः। २२. श्रीशाम्भव्यै नमः। २३. श्रीछिन्न-भालायै नमः। २४. श्रीभद्र-तारिण्यै नमः। २५. श्रीउग्रायै नमः।

२६. श्रीउग्र-प्रभायै नमः। २७. श्रीनीलायै नमः। २८. श्रीकृष्णायै नमः। २९. श्रीनील-सरस्वत्यै नमः। ३०. श्रीद्वितीयायै नमः। ३१. श्रीशोभिन्यै नमः। ३२. श्रीनित्यायै नमः। ३३. श्रीनवीनायै नमः। ३४. श्रीनित्य-नूतनायै नमः। ३५. श्रीचण्डिकायै नमः। ३६. श्रीविजयायै नमः। ३७. श्रीआराध्यायै नमः। ३८. श्रीदेव्यै नमः। ३९. श्रीगगन-वाहिन्यै नमः। ४०. श्रीअट्टहास्यायै नमः। ४१. श्रीकरालास्यायै नमः। ४२. श्रीचतुरास्या-पूजितायै नमः। ४३. श्रीअदिति-पूजितायै नमः। ४४. श्रीरौद्रायै नमः। ४५. श्रीरौद्र-मय्यै नमः। ४६. श्रीमूर्त्यै नमः। ४७. श्रीविशोकायै नमः। ४८. श्रीशोक-नाशिन्यै नमः। ४९. श्रीशिव-पूज्यायै नमः। ५०. श्रीशिवाराध्यायै नमः।

५१. श्रीशिव-ध्येयायै नमः। ५२. श्रीसनातन्यै नमः। ५३. श्रीब्रह्म-विद्यायै नमः। ५४. श्रीजगद्धात्र्यै नमः। ५५. श्रीनिर्गुणायै नमः। ५६. श्रीगुण-पूजितायै नमः। ५७. श्रीसगुणायै नमः। ५८. श्रीसगुणाराध्यायै नमः। ५९. श्रीहरि-पूजितायै नमः। ६०. श्रीइन्द्र-पूजितायै नमः। ६१. श्रीदेव-पूजितायै नमः। ६२. श्रीरक्त-प्रियायै नमः। ६३. श्रीरक्ताक्ष्यै नमः। ६४. श्रीरुधिर-भूषितायै नमः। ६५. श्रीआसव-भूषितायै नमः। ६६. श्रीबलि-प्रियायै नमः। ६७. श्रीबलि-रतायै नमः। ६८. श्रीदुर्गायै नमः। ६९. श्रीबलवत्यै नमः। ७०. श्रीबलायै नमः। ७१. श्रीबल-प्रियायै नमः। ७२. श्रीबल-रतायै नमः। ७३. श्रीबलराम-प्रपूजितायै नमः। ७४. श्रीअर्द्ध-केशायै नमः। ७५. श्रीईश्वर्यै नमः।

७६. श्रीकेशायै नमः। ७७. श्रीकेशव-विभूषितायै नमः। ७८. श्रीईश-विभूषितायै नमः। ७९. श्रीपद्म-मालायै नमः। ८०. श्रीपद्माक्ष्यै नमः। ८१. श्रीकामाख्यायै नमः। ८२. श्रीगिरि-नन्दिन्यै नमः। ८३. श्रीदक्षिणायै नमः। ८४. श्रीदक्षायै नमः। ८५. श्रीदक्षजायै नमः। ८६. श्रीदक्षिणे-रतायै नमः। ८७. श्रीवज्र-पुष्प-प्रियायै नमः। ८८. श्रीरक्त-प्रियायै नमः। ८९. श्रीकुसुम-भूषितायै नमः। ९०. श्रीमाहेश्वर्यै नमः। ९१. श्रीमहादेव-प्रियायै नमः। ९२. श्रीपञ्च-विभूषितायै नमः। ९३. श्रीइडायै नमः। ९४. श्रीपिङ्गलायै नमः। ९५. श्रीसुषुम्णायै नमः। ९६. श्रीप्राण-रूपिण्यै नमः। ९७. श्रीगान्धार्यै नमः। ९८. श्रीपञ्चम्यै नमः। ९९. श्रीपञ्चानन-परिपूजितायै नमः। १००. श्रीआदि-परिपूजितायै नमः।

देवी श्री तारा

■ श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीअरुण-रूपायै नमः। २. श्रीमहा-रूपायै नमः। ३. श्रीज्योति-रूपायै नमः। ४. श्रीमहेश्वर्यै नमः। ५. श्रीपार्वत्यै नमः। ६. श्रीवर-रूपायै नमः। ७. श्रीपर-ब्रह्म-स्वरूपिण्यै नमः। ८. श्रीलक्ष्म्यै नमः। ९. श्रीलक्ष्मी-स्वरूपायै नमः। १०. श्रीलक्ष-स्वरूपिण्यै नमः। ११. श्रीअलक्ष-स्वरूपिण्यै नमः। १२. श्रीगायत्र्यै नमः। १३. श्रीसावित्र्यै नमः। १४. श्रीसन्ध्यायै नमः। १५. श्रीसरस्वत्यै नमः। १६. श्रीश्रुत्यै नमः। १७. श्रीवेद-बीजायै नमः। १८. श्रीब्रह्म-बीजायै नमः। १९. श्रीविश्व-बीजायै नमः। २०. श्रीकवि-प्रियायै नमः। २१. श्रीइच्छा-शक्त्यै नमः। २२. श्रीक्रिया-शक्त्यै नमः। २३. श्रीआत्म-शक्त्यै नमः। २४. श्रीभयङ्कर्यै नमः। २५. श्रीकालिकायै नमः।

२६. श्रीकमलायै नमः। २७. श्रीकाल्यै नमः। २८. श्रीकङ्काल्यै नमः। २९. श्रीकाल-रूपिण्यै नमः। ३०. श्रीउपस्थिति-स्वरूपायै नमः। ३१. श्रीप्रलयायै नमः। ३२. श्रीलय-कारिण्यै नमः। ३३. श्रीहिंगुलायै नमः। ३४. श्रीत्वरितायै नमः। ३५. श्रीचण्डयै नमः। ३६. श्रीचामुण्डायै नमः। ३७. श्रीमुण्ड-मालिन्यै नमः। ३८. श्रीरेणुकायै नमः। ३९. श्रीभद्र-काल्यै नमः। ४०. श्रीमातङ्ग्यै नमः। ४१. श्रीशिवायै नमः। ४२. श्रीशाम्भव्यै नमः। ४३. श्रीयोगुलायै नमः। ४४. श्रीमङ्गलायै नमः। ४५. श्रीगौर्यै नमः। ४६. श्रीगिरिजायै नमः। ४७. श्रीगोमत्यै नमः। ४८. श्रीगयायै नमः। ४९. श्रीकामाक्ष्यै नमः। ५०. श्रीकाम-रूपायै नमः।

५१. श्रीकामिन्यै नमः। ५२. श्रीकाम-रूपिण्यै नमः। ५३. श्रीयोगिन्यै नमः। ५४. श्रीयोग-रूपायै नमः। ५५. श्रीयोग-प्रियायै नमः। ५६. श्रीज्ञान-प्रियायै नमः। ५७. श्रीशिव-प्रियायै नमः। ५८. श्रीउमायै नमः। ५९. श्रीकात्यायन्यै नमः। ६०. श्रीचण्ड्यम्बिकायै नमः। ६१. श्रीत्रिपुर-सुन्दर्यै नमः। ६२. श्रीअरुणायै नमः। ६३. श्रीतरुण्यै नमः। ६४. श्रीशान्तायै नमः। ६५. श्रीसर्व-सिद्धये नमः। ६६. श्रीसुमङ्गलायै नमः। ६७. श्रीशिवा-मात्रे नमः। ६८. श्रीसिद्धि-मात्रे नमः। ६९. श्रीसिद्ध-विद्यायै नमः। ७०. श्रीहरि-प्रियायै नमः। ७१. श्रीपद्मावत्यै नमः। ७२. श्रीपद्म-वर्णायै नमः। ७३. श्रीपद्माक्ष्यै नमः। ७४. श्रीपद्म-सम्भवायै नमः। ७५. श्रीधारिण्यै नमः।

७६. श्रीधरित्र्यै नमः। ७७. श्रीधात्र्यै नमः। ७८. श्रीअगम्या-वासिन्यै नमः। ७९. श्रीगम्य-वासिन्यै नमः। ८०. श्रीविद्यावत्यै नमः। ८१. श्रीमन्त्र-शक्त्यै नमः। ८२. श्रीमन्त्र-सिद्धि-परायण्यै नमः। ८३. श्रीविराट्-धारिण्यै नमः। ८४. श्रीविधात्र्यै नमः। ८५. श्रीवाराह्यै नमः। ८६. श्रीविश्व-रूपिण्यै नमः। ८७. श्रीपरायै नमः। ८८. श्रीपश्यायै नमः। ८९. श्रीअपरायै नमः। ९०. श्रीमध्यायै नमः। ९१. श्रीदिव्य-वाद-विलासिन्यै नमः। ९२. श्रीनादायै नमः। ९३. श्रीबिन्दवे नमः। ९४. श्रीकलायै नमः। ९५. श्रीज्योत्यै नमः। ९६. श्रीविजयायै नमः। ९७. श्रीभुवनेश्वर्यै नमः। ९८. श्रीऐं-कारिण्यै नमः। ९९. श्रीभयङ्कर्यै नमः। १००. श्रीक्लीं-कार्यै नमः।

१०१. श्रीकमल-प्रियायै नमः। १०२. श्रीसौङ्कार्यै नमः। १०३. श्रीशिव-पत्न्यै नमः। १०४. श्रीपर-तत्त्व-प्रकाशिन्यै नमः। १०५. श्रीह्रीङ्कार्यै नमः। १०६. श्रीआदि-मायायै नमः। १०७. श्रीयन्त्र-परायण्यै नमः। १०८. श्रीमूर्ति-परायण्यै नमः।

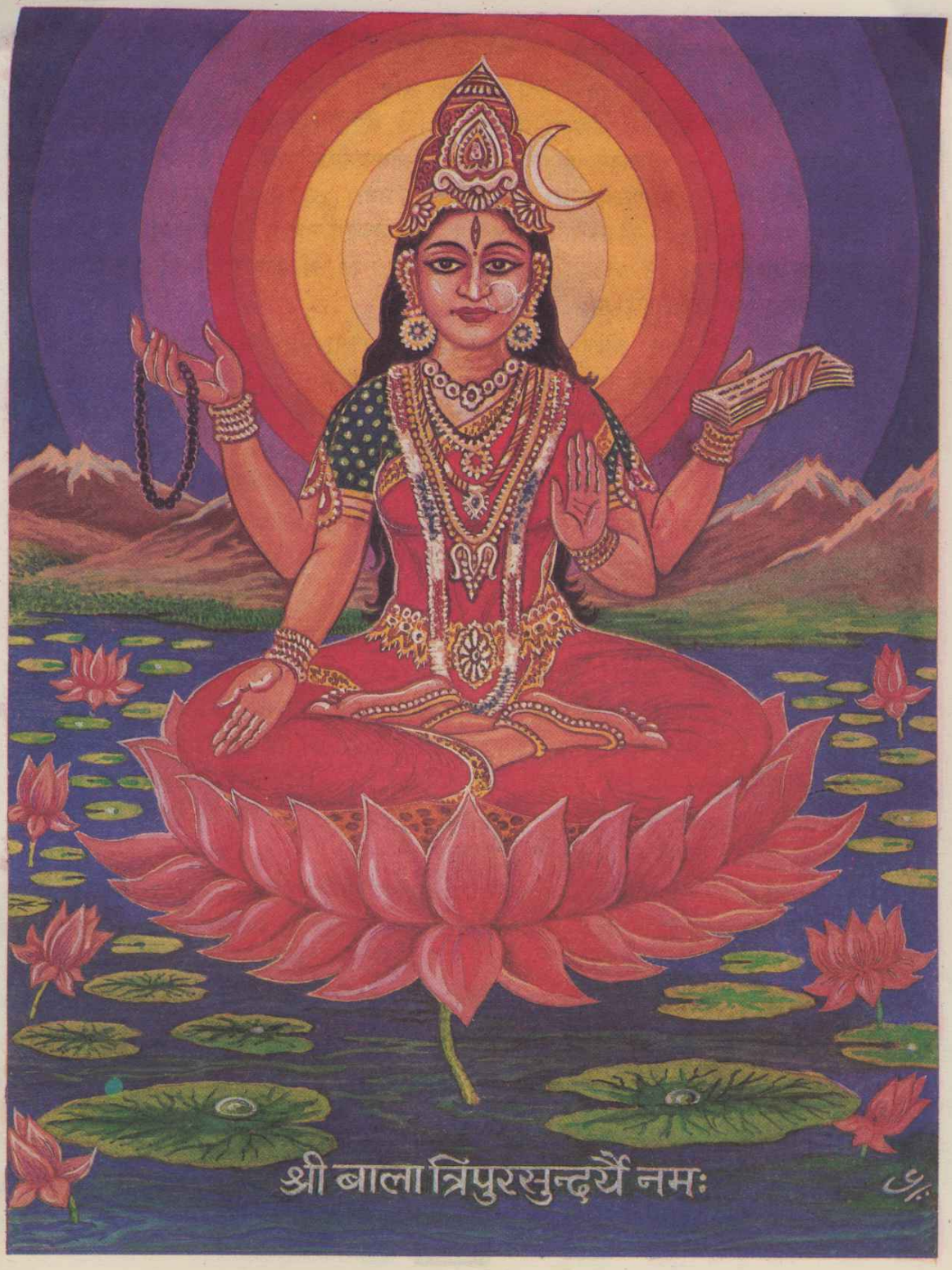
श्री बाला त्रिपुरसुन्दर्यै नमः

■ श्रीललिता-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीकामेश्वर्यै नमः। २. श्रीकाम-शक्तयै नमः। ३. श्रीकाम-दायिन्यै नमः। ४. श्रीसौभाग्य-दायिन्यै नमः। ५. श्रीकाम-रूपायै नमः। ६. श्रीकाम-कलायै नमः। ७. श्रीकामिन्यै नमः। ८. श्रीकमलासनायै नमः। ९. श्रीकमलायै नमः। १०. श्रीकलना-हीनायै नमः। ११. श्रीकमनीयायै नमः। १२. श्रीकला-वत्यै नमः। १३. श्रीपद्मपायै नमः। १४. श्रीभारत्यै नमः। १५. श्रीसेव्यायै नमः। १६. श्रीकल्पिताऽशेष-संस्थित्यै नमः। १७. श्रीअनुत्तरायै नमः। १८. श्रीअनघायै नमः। १९. श्रीअनन्तायै नमः। २०. श्रीअद्भुत-रूपायै नमः। २१. श्रीअनलोद्भवायै नमः। २२. श्रीअति-लोक-चरित्रायै नमः। २३. श्रीअति-सुन्दर्यै नमः। २४. श्रीअति-शुभ-प्रदायै नमः। २५. श्रीविश्वायै नमः।

२६. श्रीआद्यायै नमः। २७. श्रीअति-विस्तारायै नमः। २८. श्रीअर्चन-तुष्टायै नमः। २९. श्रीअमित-प्रभायै नमः। ३०. श्रीएक-रूपायै नमः। ३१. श्रीएक-वीर-प्रियायै नमः। ३२. श्रीएक-नाथ-प्रियायै नमः। ३३. श्रीएकान्त-प्रियायै नमः। ३४. श्रीअर्चन-प्रियायै नमः। ३५. श्रीएकायै नमः। ३६. श्रीएक-भाव-तुष्टायै नमः। ३७. श्रीएक-रस-प्रियायै नमः। ३८. श्रीएकान्त-जन-प्रियायै नमः। ३९. श्रीएध-मान-प्रभायै नमः। ४०. श्रीवैध-भक्तायै नमः। ४१. श्रीपातक-नाशिन्यै नमः। ४२. श्रीएलामोद-मुखाये नमः। ४३. श्रीनोऽद्रि-शक्तायुधायै नमः। ४४. श्रीसम-स्थित्यै नमः। ४५. श्रीईहा-शून्येप्सितेशादि-सेव्येशानायै नमः। ४६. श्रीवराङ्गनायै नमः। ४७. श्रीईश्वराज्ञापिकेकार-भाव्येप्सित-फल-प्रदायै नमः। ४८. श्रीईशानेत्यै नमः। ४९. श्रीहरेशैषायै नमः। ५०. श्रीचारुणाक्षीश्वरेश्वर्यै नमः।

५१. श्रीललितायै नमः। ५२. श्रीललना-रूपायै नमः। ५३. श्रीलय-हीनायै नमः। ५४. श्रीलसत-तनवे नमः। ५५. श्रीलय-सर्वायै नमः। ५६. श्रीलय-क्षोण्यै नमः। ५७. श्रीलय-कर्त्रे नमः। ५८. श्रीलयात्मिकायै नमः। ५९. श्रीलघिमायै नमः। ६०. श्रीलघु-मध्याढ्यायै नमः। ६१. श्रीलल-मानायै नमः। ६२. श्रीलघु-द्रुतायै नमः। ६३. श्रीहयारूढायै नमः। ६४. श्रीहतायै नमः। ६५. श्रीअमित्रायै नमः। ६६. श्रीहर-कान्तायै नमः। ६७. श्रीहरि-स्तुतायै नमः। ६८. श्रीहय-ग्रीवेष्टदायै नमः। ६९. श्रीहाला-प्रियायै नमः। ७०. श्रीहर्ष-समुद्भवायै नमः। ७१. श्रीहर्षणायै नमः। ७२. श्रीहल्लकाभाङ्ग्यै नमः। ७३. श्रीहस्त्यन्तैश्वर्य-दायिन्यै नमः। ७४. श्रीहल-हस्तार्चित-पदायै नमः। ७५. श्रीहवि-प्रसादिन्यै नमः।

७६. श्रीदान-प्रसादिन्यै नमः। ७७. श्रीरामायै नमः। ७८. श्रीरामार्चितायै नमः। ७९. श्रीराज्ञ्यै नमः। ८०. श्रीरम्यायै नमः। ८१. श्रीरव-मय्यै नमः। ८२. श्रीरत्यै नमः। ८३. श्रीरक्षिण्यै नमः। ८४. श्रीरमण्यै नमः। ८५. श्रीराकाऽऽदित्यादि-मण्डल-प्रियायै नमः। ८६. श्रीरक्षिताऽखिल-लोकेश्यै नमः। ८७. श्रीरक्षो-गण-निषूदिन्यै नमः। ८८. श्रीअन्तान्त-कारिण्यम्भोज-क्रियान्तक-भयङ्कर्यै नमः। ८९. श्रीअम्बु-रूपायै नमः। ९०. श्री अम्बुजायै नमः। ९१. श्रीकराम्बुजायै नमः। ९२. श्रीजात-वर-प्रदायै नमः। ९३. श्रीअन्तः-पूजा-क्रियान्तःस्थायै नमः। ९४. श्रीअन्तर्ध्यान-वचो-मय्यै नमः। ९५. श्रीअन्तकाऽराति-वामाङ्क-स्थितायै नमः। ९६. श्रीअन्तः-सुख-रूपिण्यै नमः। ९७. श्रीसर्वज्ञायै नमः। ९८. श्रीसर्वगायै नमः। ९९. श्रीसारायै नमः। १००. श्रीसमायै नमः।

१०१. श्रीसम-सुखायै नमः। १०२. श्रीसत्यै नमः। १०३. श्रीसन्तत्यै नमः। १०४. श्रीसन्ततायै नमः। १०५. श्रीसोमायै नमः। १०६. श्रीसर्वायै नमः। १०७. श्रीसांख्यायै नमः। १०८. श्रीसनातन्यै नमः।

॥ श्रीमहात्रिपुरसुन्दर्यै नमः ॥

■ श्रीषोडशी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीत्रिपुरायै नमः। २. श्रीषोडश्यै नमः। ३. श्रीमात्रे नमः। ४. श्रीत्र्यक्षरायै नमः। ५. श्रीत्रितयायै नमः। ६. श्रीत्रय्यै नमः। ७. श्रीसुन्दर्यै नमः। ८. श्रीसुमुख्यै नमः। ९. श्रीसेव्यायै नमः। १०. श्रीसाम-वेद-परायणायै नमः। ११. श्रीशारदायै नमः। १२. श्रीशब्द-निलयायै नमः। १३. श्रीसागरायै नमः। १४. श्रीसरिदम्बरायै नमः। १५. श्रीशुद्धायै नमः। १६. श्रीशुद्ध-तनवे नमः। १७. श्रीसाध्व्यै नमः। १८. श्रीशिव-ध्यान-परायणायै नमः। १९. श्रीस्वामिन्यै नमः। २०. श्रीशम्भु-वनितायै नमः। २१. श्रीशाम्भव्यै नमः। २२. श्रीसरस्वत्यै नमः। २३. श्रीसमुद्र-मथिन्यै नमः। २४. श्रीशीघ्र-गामिन्यै नमः। २५. श्रीशीघ्र-सिद्धिदायै नमः।

२६. श्रीसाधु-सेव्यायै नमः। २७. श्रीसाधु-गम्यायै नमः। २८. श्रीसाधु-सन्तुष्ट-मानसायै नमः। २९. श्रीखट्वाङ्ग-धारिण्यै नमः। ३०. श्रीखर्वायै नमः। ३१. श्रीखड्ग-खर्पर-धारिण्यै नमः। ३२. श्रीषड्-वर्ग-भाव-रहितायै नमः। ३३. श्रीषड्-वर्ग-परिचारिकायै नमः। ३४. श्रीषड्-वर्गायै नमः। ३५. श्रीषडङ्गायै नमः। ३६. श्रीषोढायै नमः। ३७. श्रीषोडश-वार्षिक्यै नमः। ३८. श्रीऋतु-रूपायै नमः। ३९. श्रीक्रतु-मत्यै नमः। ४०. श्रीऋभुक्ष-क्रतु-मण्डितायै नमः। ४१. श्रीकवर्गादि-पवर्गान्तायै नमः। ४२. श्रीअन्तःस्थायै नमः। ४३. श्रीअन्त-रूपिण्यै नमः। ४४. श्रीअकाराकार-रहितायै नमः। ४५. श्रीकाल-मृत्यु-जरा-पहायै नमः। ४६. श्रीतन्व्यै नमः। ४७. श्रीतत्त्वेश्वर्यै नमः। ४८. श्रीतारायै नमः। ४९. श्रीत्रि-वर्षायै नमः। ५०. श्रीज्ञान-रूपिण्यै नमः।

५१. श्रीकाल्यै नमः। ५२. श्रीकराल्यै नमः। ५३. श्रीकामेश्यै नमः। ५४. श्रीछायायै नमः। ५५. श्रीसंज्ञायै नमः। ५६. श्रीअरुन्धत्यै नमः। ५७. श्रीनिर्विकल्पायै नमः। ५८. श्रीमहा-वेगायै नमः। ५९. श्रीमहोत्साहायै नमः। ६०. श्रीमहोदर्यै नमः। ६१. श्रीमेधायै नमः। ६२. श्रीबलाकायै नमः। ६३. श्रीविमलायै नमः। ६४. श्रीविमल-ज्ञान-दायिन्यै नमः। ६५. श्रीगौर्यै नमः। ६६. श्रीवसुन्धरायै नमः। ६७. श्रीगोप्त्र्यै नमः। ६८. श्रीगवाम्पति-निषेवितायै नमः। ६९. श्रीभगाङ्गायै नमः। ७०. श्रीभग-रूपायै नमः। ७१. श्रीभक्ति-परायणायै नमः। ७२. श्रीभाव-परायणायै नमः। ७३. श्रीछिन्न-मस्तायै नमः। ७४. श्रीमहा-धूमायै नमः। ७५. श्रीधूम्र-विभूषणायै नमः। ७६. श्रीधर्म-कर्मादि-रहितायै नमः। ७७. श्रीधर्म-कर्म-परायणायै नमः। ७८. श्रीसीतायै नमः। ७९. श्रीमातङ्गिन्यै नमः। ८०. श्रीमेधायै नमः। ८१. श्रीमधु-दैत्य-विनाशिन्यै नमः। ८२. श्रीभैरव्यै नमः। ८३. श्रीभुवनायै नमः। ८४. श्रीमात्रे नमः। ८५. श्रीअभयदायै नमः। ८६. श्रीभव-सुन्दर्यै नमः। ८७. श्रीभावुकायै नमः। ८८. श्रीबगलायै नमः। ८९. श्रीकृत्यायै नमः। ९०. श्रीबालायै नमः। ९१. श्रीत्रिपुर-सुन्दर्यै नमः। ९२. श्रीरोहिण्यै नमः। ९३. श्रीरेवत्यै नमः। ९४. श्रीरम्यायै नमः। ९५. श्रीरम्भायै नमः। ९६. श्रीरावण-वन्दितायै नमः। ९७. श्रीशत-यज्ञ-मय्यै नमः। ९८. श्रीसत्त्वायै नमः। ९९. श्रीशत-क्रतु-वर-प्रदायै नमः। १००. श्रीशत-चन्द्रानना- देव्यै नमः।

१०१. श्रीसहस्रादित्य-सन्निभायै नमः। १०२. श्रीसोम-नयनायै नमः। १०३. श्रीसूर्याग्नि-नयनायै नमः। १०४. श्रीव्याघ्र-चर्माम्बरावृतायै नमः। १०५. श्रीअर्द्धेन्दु-धारिण्यै नमः। १०६. श्रीमत्तायै नमः। १०७. श्रीमदिरायै नमः। १०८. श्रीमदिरेक्षणायै नमः।

देवी श्री षोडशी

■ श्रीभुवनेश्वरी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीमहा-मायायै नमः। २. श्रीमहा-विद्यायै नमः। ३. श्रीमहा-योगायै नमः। ४. श्रीमहोत्कटायै नमः। ५. श्रीमाहेश्वर्यै नमः। ६. श्रीकुमार्यै नमः। ७. श्रीब्रह्माण्यै नमः। ८. श्रीब्रह्म-रूपिण्यै नमः। ९. श्रीवागीश्वर्यै नमः। १०. श्रीयोग-रूपायै नमः। ११. श्रीयोगिन्यै नमः। १२. श्रीकोटि-सेवितायै नमः। १३. श्रीजयायै नमः। १४. श्रीविजयायै नमः। १५. श्रीकौमार्यै नमः। १६. श्रीसर्व- मङ्गलायै नमः। १७. श्रीहिंगुलायै नमः। १८. श्रीविलास्यै नमः। १९. श्रीज्वालिन्यै नमः। २०. श्रीज्वाल-रूपिण्यै नमः। २१. श्रीईश्वर्यै नमः। २२. श्रीक्रूर-संहार्यै नमः। २३. श्रीकुल-मार्ग-प्रदायिन्यै नमः। २४. श्रीवैष्णव्यै नमः। २५. श्रीसुभगाकारायै नमः।

२६. श्रीसुकुल्यायै नमः। २७. श्रीकुल-पूजितायै नमः। २८. श्रीवामाङ्गायै नमः। २९. श्रीवामाचारायै नमः। ३०. श्रीवाम-देव-प्रियायै नमः। ३१. श्रीडाकिन्यै नमः। ३२. श्रीयोगिनी-रूपायै नमः। ३३. श्रीभूतेश्यै नमः। ३४. श्रीभूत-नायिकायै नमः। ३५. श्रीपद्मावत्यै नमः। ३६. श्रीपद्म-नेत्रायै नमः। ३७. श्रीप्रबुद्धायै नमः। ३८. श्रीसरस्वत्यै नमः। ३९. श्रीभूचर्यै नमः। ४०. श्रीखेचर्यै नमः। ४१. श्रीमायायै नमः। ४२. श्रीमातङ्ग्यै नमः। ४३. श्रीभुवनेश्वर्यै नमः। ४४. श्रीकान्तायै नमः। ४५. श्रीपति-व्रतायै नमः। ४६. श्रीसाक्ष्यै नमः। ४७. श्रीसुचक्षवे नमः। ४८. श्रीकुण्ड-वासिन्यै नमः। ४९. श्रीउमायै नमः। ५०. श्रीकुमार्यै नमः।

५१. श्रीलोकेश्यै नमः। ५२. श्रीसुकेश्यै नमः। ५३. श्रीपद्म-रागिन्यै नमः। ५४. श्रीइन्द्राण्यै नमः। ५५. श्रीब्रह्म-चाण्डाल्यै नमः। ५६. श्रीचण्डिकायै नमः। ५७. श्रीवायु-वल्लभायै नमः। ५८. श्रीसर्व-धातु-मयी-मूर्तये नमः। ५९. श्रीजल-रूपायै नमः। ६०. श्रीजलोदर्यै नमः। ६१. श्रीआकाश्यै नमः। ६२. श्रीरणगायै नमः। ६३. श्रीनृ-कपाल-विभूषणायै नमः। ६४. श्रीशर्म्मदायै नमः। ६५. श्रीमोक्षदायै नमः। ६६. श्रीकाम-धर्मार्थ-दायिन्यै नमः। ६७. श्रीगायत्र्यै नमः। ६८. श्रीसावित्र्यै नमः। ६९. श्रीत्रि-सन्ध्यायै नमः। ७०. श्रीतीर्थ-गामिन्यै नमः। ७१. श्रीअष्टम्यै नमः। ७२. श्रीनवम्यै नमः। ७३. श्रीदशम्येकादश्यै नमः। ७४. श्रीपौर्णमास्यै नमः। ७५. श्रीकुहू-रूपायै नमः।

७६. श्रीतिथि-स्वरूपिण्यै नमः। ७७. श्रीमूर्ति-स्वरूपिण्यै नमः। ७८. श्रीसुरारि-नाश-कार्यै नमः। ७९. श्रीउग्र-रूपायै नमः। ८०. श्रीवत्सलायै नमः। ८१. श्रीअनलायै नमः। ८२. श्रीअर्द्ध-मात्रायै नमः। ८३. श्रीअरुणायै नमः। ८४. श्रीपीन-लोचनायै नमः। ८५. श्रीलज्जायै नमः। ८६. श्रीसरस्वत्यै नमः। ८७. श्रीविद्यायै नमः। ८८. श्रीभवान्यै नमः। ८९. श्रीपाप-नाशिन्यै नमः। ९०. श्रीनाग-पाश-धरायै नमः। ९१. श्रीमूर्तिरगाधायै नमः। ९२. श्रीधृत-कुण्डलायै नमः। ९३. श्रीक्षय-रूप्यै नमः। ९४. श्रीक्षय-कर्यै नमः। ९५. श्रीतेजस्विन्यै नमः। ९६. श्रीशुचि-स्मितायै नमः। ९७. श्रीअव्यक्तायै नमः। ९८. श्रीव्यक्त-लोकायै नमः। ९९. श्रीशम्भु-रूपायै नमः। १००. श्रीमनस्विन्यै नमः।

१०१. श्रीमातङ्ग्यै नमः। १०२. श्रीमत्त-मातङ्ग्यै नमः। १०३. श्रीमहा-देव-प्रियायै नमः। १०४. श्रीसदायै नमः। १०५. श्रीदैत्यहायै नमः। १०६. श्रीवाराह्यै नमः। १०७. श्रीसर्व-शास्त्र-मय्यै नमः। १०८. श्रीशुभायै नमः।

देवी श्री भुवनेश्वरी

■ श्रीभैरवी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीभैरव्यै नमः। २. श्रीभैरवाराध्यायै नमः। ३. श्रीभूतिदायै नमः। ४. श्रीभूत-भावनायै नमः। ५. श्रीकार्यायै नमः। ६. श्रीब्राह्मयै नमः। ७. श्रीकाम-धेनवे नमः। ८. श्रीसर्व-सम्पत्-प्रदायिन्यै नमः। ९. श्रीत्रैलोक्य-वन्दित-देव्यै नमः। १०. श्रीमहिषासुर-मर्दिन्यै नमः। ११. श्रीमोहिन्यै नमः। १२. श्रीमालती-मालायै नमः। १३. श्रीमहा-पातक-नाशिन्यै नमः। १४. श्रीक्रोधिन्यै नमः। १५. श्रीक्रोध-निलयायै नमः। १६. श्रीक्रोध-रक्तेक्षणायै नमः। १७. श्रीकुह्वे नमः। १८. श्रीत्रिपुरायै नमः। १९. श्रीत्रिपुराधारायै नमः। २०. श्रीत्रिनेत्रायै नमः। २१. श्रीभीम-भैरव्यै नमः। २२. श्रीदेवक्यै नमः। २३. श्रीदेव-मात्रे नमः। २४. श्रीदेव-दुष्ट-विनाशिन्यै नमः। २५. श्रीदामोदर-प्रियायै नमः।

२६. श्रीदीर्घायै नमः। २७. श्रीदुर्गायै नमः। २८. श्रीदुर्गति-नाशिन्यै नमः। २९. श्रीलम्बोदर्यै नमः। ३०. श्रीलम्ब-कर्णायै नमः। ३१. श्रीप्रलम्बित-पयोधरायै नमः। ३२. श्रीप्रत्यङ्गिरायै नमः। ३३. श्रीप्रति-पदायै नमः। ३४. श्रीप्रणत-क्लेश-नाशिन्यै नमः। ३५. श्रीप्रभावत्यै नमः। ३६. श्रीगुणवत्यै नमः। ३७. श्रीगण-मात्रे नमः। ३८. श्रीगुह्येश्वर्यै नमः। ३९. श्रीक्षीराब्धि-तनयायै नमः। ४०. श्रीक्षेम्यायै नमः। ४१. श्रीजगत्-त्राण-विधायिन्यै नमः। ४२. श्रीमहा-मार्यै नमः। ४३. श्रीमहा-मोहायै नमः। ४४. श्रीमहा-क्रोधायै नमः। ४५. श्रीमहा-नद्यै नमः। ४६. श्रीमहा-पातक-संहर्त्र्यै नमः। ४७. श्रीमहा-मोह-प्रदायिन्यै नमः। ४८. श्रीविकरालायै नमः। ४९. श्रीमहा-कालायै नमः। ५०. श्रीकाल-रूपायै नमः।

५१. श्रीकलावत्यै नमः। ५२. श्रीकपाल-खट्वाङ्ग-धरायै नमः। ५३. श्रीखड्ग-धारिण्यै नमः। ५४. श्रीखर्पर-धारिण्यै नमः। ५५. श्रीकुमार्यै नमः। ५६. श्रीकुंकुम-प्रीतायै नमः। ५७. श्रीकुंकुमारुण-रञ्जितायै नमः। ५८. श्रीकौमोदक्यै नमः। ५९. श्रीकुमुदिन्यै नमः। ६०. श्रीकीर्त्यायै नमः। ६१. श्रीकीर्ति-प्रदायिन्यै नमः। ६२. श्रीनवीनायै नमः। ६३. श्रीनीरदायै नमः। ६४. श्रीनित्यायै नमः। ६५. श्रीनन्दिकेश्वर-पालिन्यै नमः। ६६. श्रीघर्घरायै नमः। ६७. श्रीघर्घरा-रावायै नमः। ६८. श्रीघोरायै नमः। ६९. श्रीघोर-स्वरूपिण्यै नमः। ७०. श्रीकलिघ्न्यै नमः। ७१. श्रीकलि-धर्मघ्न्यै नमः। ७२. श्रीकलि-कौतुक-नाशिन्यै नमः। ७३. श्रीकिशोर्यै नमः। ७४. श्रीकेशव-प्रीतायै नमः। ७५. श्रीक्लेश-सङ्घ-निवारिण्यै नमः। ७६. श्रीमहोत्तमायै नमः। ७७. श्रीमहा-मत्तायै नमः। ७८. श्रीमहा-विद्यायै नमः। ७९. श्रीमही-मय्यै नमः। ८०. श्रीमहा-यज्ञायै नमः। ८१. श्रीमहा-वाण्यै नमः। ८२. श्रीमहा-मन्दर-धारिण्यै नमः। ८३. श्रीमोक्षदायै नमः। ८४. श्रीमोहदायै नमः। ८५. श्रीमोहायै नमः। ८६. श्रीभुक्ति-प्रदायिन्यै नमः। ८७. श्रीमुक्ति-प्रदायिन्यै नमः। ८८. श्री अट्टाट्ट-हास-निरतायै नमः। ८९. श्रीक्वणन्-नूपुर-धारिण्यै नमः। ९०. श्रीदीर्घ-दंष्ट्रायै नमः। ९१. श्रीदीर्घ-मुख्यै नमः। ९२. श्रीदीर्घ-घोणायै नमः। ९३. श्रीदीर्घिकायै नमः। ९४. श्रीदनुजान्त-कर्यै नमः। ९५. श्रीदुष्टायै नमः। ९६. श्रीदुःख-दारिद्र्य-भञ्जिन्यै नमः। ९७. श्रीदुराचारायै नमः। ९८. श्रीदोषघ्न्यै नमः। ९९. श्रीदम-पत्न्यै नमः। १००. श्रीदया-परायै नमः।

१०१. श्रीमनोभवायै नमः। १०२. श्रीमनु-मय्यै नमः। १०३. श्रीमनु-वंश-प्रवर्द्धिन्यै नमः। १०४. श्रीश्यामायै नमः। १०५. श्रीश्याम-तनवे नमः। १०६. श्रीशोभायै नमः। १०७. श्रीसौम्यायै नमः। १०८. श्रीशम्भु-विलासिन्यै नमः।

देवी श्री त्रिपुर-भैरवी

■ श्रीछिन्नमस्ता-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीछिन्न-मस्तायै नमः। २. श्रीमहा-विद्यायै नमः। ३. श्रीमहा-भीमायै नमः। ४. श्रीमहोदर्यै नमः। ५. श्रीचण्डेश्वर्यै नमः। ६. श्रीचण्ड-मात्रे नमः। ७. श्रीचण्ड-मुण्ड-प्रभञ्जिन्यै नमः। ८. श्रीमहा-चण्डायै नमः। ९. श्रीचण्ड-रूपायै नमः। १०. श्रीचण्डिकायै नमः। ११. श्रीचण्ड-खण्डिन्यै नमः। १२. श्रीक्रोधिन्यै नमः। १३. श्रीक्रोध-जनन्यै नमः। १४. श्रीक्रोध-रूपायै नमः। १५. श्रीकुहवे नमः। १६. श्रीकलायै नमः। १७. श्रीकोपातुरायै नमः। १८. श्रीकोप-युतायै नमः। १९. श्रीकोप-संहार-कारिण्यै नमः। २०. श्रीवज्र-वैरोचन्यै नमः। २१. श्रीवज्रायै नमः। २२. श्रीवज्र-कल्पायै नमः। २३. श्रीडाकिन्यै नमः। २४. श्रीडाकिनी-कर्म-निरतायै नमः। २५. श्रीडाकिनी-कर्म-पूजितायै नमः।

२६. श्रीडाकिनी-सङ्ग-निरतायै नमः। २७. श्रीडाकिनी-प्रेम-पूरितायै नमः। २८. श्रीखट्वाङ्ग-धारिण्यै नमः। २९. श्रीखर्वायै नमः। ३०. श्रीखड्ग-धारिण्यै नमः। ३१. श्रीखप्पर-धारिण्यै नमः। ३२. श्रीप्रेतासनायै नमः। ३३. श्रीप्रेत-युतायै नमः। ३४. श्रीप्रेत-सङ्ग-विहारिण्यै नमः। ३५. श्रीछिन्न-मुण्ड-धरायै नमः। ३६. श्रीछिन्न-चण्ड-विद्यायै नमः। ३७. श्रीचित्रिण्यै नमः। ३८. श्रीघोर-रूपायै नमः। ३९. श्रीघोर-दृष्ट्यै नमः। ४०. श्रीघोर-रावायै नमः। ४१. श्रीघनोदर्यै नमः। ४२. श्रीयोगिन्यै नमः। ४३. श्रीयोग-निरतायै नमः। ४४. श्रीजप-यज्ञ-परायणायै नमः। ४५. श्रीयोनि-चक्र-मय्यै नमः। ४६. श्रीयोनये नमः। ४७. श्रीयोनि-चक्र-प्रवर्तिन्यै नमः। ४८. श्रीयोनि-मुद्रायै नमः। ४९. श्रीयोनि-गम्यायै नमः। ५०. श्रीयोनि-यन्त्र-निवासिन्यै नमः।

५१. श्रीयन्त्र-रूपायै नमः। ५२. श्रीयन्त्र-मय्यै नमः। ५३. श्रीयन्त्रेश्यै नमः। ५४. श्रीयन्त्र-पूजितायै नमः। ५५. श्रीकीर्त्यायै नमः। ५६. श्रीकपर्दिन्यै नमः ५७. श्रीकाल्यै नमः। ५८. श्रीकङ्काल्यै नमः। ५९. श्रीकल-कारिण्यै नमः। ६०. श्रीआरक्तायै नमः। ६१. श्रीरक्त-नयनायै नमः। ६२. श्रीरक्त-पान-परायणायै नमः। ६३. श्रीभवान्यै नमः। ६४. श्रीभूतिदायै नमः। ६५. श्रीभूत्यै नमः। ६६. श्रीभूति-दात्र्यै नमः। ६७. श्रीभैरव्यै नमः। ६८. श्रीभैरवाचार-निरतायै नमः। ६९. श्रीभूत-सेवितायै नमः। ७०. श्रीभैरव-सेवितायै नमः। ७१. श्रीभीमायै नमः। ७२. श्रीभीमेश्वरी-देव्यै नमः। ७३. श्रीभीम-नाद-परायणायै नमः। ७४. श्रीभवाराध्यायै नमः। ७५. श्रीभव-नुतायै नमः।

७६. श्रीभव-सागर-तारिण्यै नमः। ७७. श्रीभद्र-काल्यै नमः। ७८. श्रीभद्र-तनवे नमः। ७९. श्रीभद्र-रूपायै नमः। ८०. श्रीभद्रिका-भद्र-रूपायै नमः। ८१. श्रीमहा-भद्रायै नमः। ८२. श्रीसुभद्रायै नमः। ८३. श्रीभद्र-पालिन्यै नमः। ८४. श्रीसुभव्यायै नमः। ८५. श्रीभव्य-वदनायै नमः। ८६. श्रीसुमुख्यै नमः। ८७. श्रीसिद्ध-सेवितायै नमः। ८८. श्रीसिद्धिदायै नमः। ८९. श्रीसिद्धि-निवहायै नमः। ९०. श्रीसिद्ध-निषेवितायै नमः। ९१. श्रीअसिद्ध-निषेवितायै नमः। ९२. श्रीशुभदायै नमः। ९३. श्रीशुभगायै नमः। ९४. श्रीशुद्धायै नमः। ९५. श्रीशुद्ध-सत्त्वायै नमः। ९६. श्रीशुभावहायै नमः। ९७. श्रीश्रेष्ठायै नमः। ९८. श्रीदृष्टि-मयी-देव्यै नमः। ९९. श्रीदृष्टि-संहार-कारिण्यै नमः। १००. श्रीशर्वाण्यै नमः।

१०१. श्रीसर्वगायै नमः। १०२. श्रीसर्वायै नमः। १०३. श्रीसर्व-मङ्गल-कारिण्यै नमः। १०४. श्रीशिवायै नमः। १०५. श्रीशान्तायै नमः। १०६. श्रीशान्ति-रूपायै नमः। १०७. श्रीमृडान्यै नमः। १०८. श्रीमदनातुरायै नमः।

श्री छिन्नमस्तायै नमः

■ श्रीधूमावती-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीधूमावत्यै नमः। २. श्रीधूम्र-वर्णायै नमः। ३. श्रीधूम्र-पान-परायणायै नमः। ४. श्रीधूम्राक्ष-मथिन्यै नमः। ५. श्रीधन्यायै नमः। ६. श्रीधन्य-स्थान-निवासिन्यै नमः। ७.श्रीअघोराचार-सन्तुष्टायै नमः। ८. श्रीअघोराचार-मण्डितायै नमः। ९. श्रीअघोर-मन्त्र-सम्प्रीतायै नमः। १०. श्रीअघोर-मन्त्र-सम्पूजितायै नमः। ११. श्रीअट्टाट्ट-हास-निरतायै नमः। १२. श्रीमलिनाम्बर-धारिण्यै नमः। १३. श्रीवृद्धायै नमः। १४. श्रीविरूपायै नमः। १५. श्रीविधवायै नमः। १६. श्रीविद्यायै नमः। १७. श्रीविरला-द्विजायै नमः। १८. श्रीप्रवृद्ध-घोणायै नमः। १९. श्रीकुमुख्यै नमः। २०. श्रीकुटिलायै नमः। २१. श्रीकुटिलेक्षणायै नमः। २२. श्रीकराल्यै नमः। २३. श्रीकरालास्यायै नमः। २४. श्रीकङ्काल्यै नमः। २५. श्रीशूर्प-धारिण्यै नमः।

२६. श्रीकाक-ध्वज-रथारूढ़ायै नमः। २७. श्रीकेवलायै नमः। २८. श्रीकठिनायै नमः। २९. श्रीकुहवे नमः। ३०. श्रीक्षुत्-पिपासार्दितायै नमः। ३१. श्रीनित्यायै नमः। ३२. श्रीललज्जिह्वायै नमः। ३३. श्रीदिगम्बरायै नमः। ३४. श्रीदीर्घोदर्यै नमः। ३५.श्रीदीर्घ-रवायै नमः। ३६. श्रीदीर्घाङ्ग्यै नमः। ३७. श्रीदीर्घ-मस्तकायै नमः। ३८. श्रीविमुक्त-कुन्तलायै नमः। ३९. श्रीकीर्त्यायै नमः। ४०. श्रीकैलास-स्थान-वासिन्यै नमः। ४१. श्रीक्रूरायै नमः। ४२. श्रीकाल-स्वरूपायै नमः। ४३. श्रीकाल-चक्र-प्रवर्तिन्यै नमः। ४४. श्रीविवर्णायै नमः। ४५. श्रीचञ्चलायै नमः। ४६. श्रीदुष्टायै नमः। ४७. श्रीदुष्ट-विध्वंस-कारिण्यै नमः। ४८. श्रीचण्ड्यै नमः। ४९. श्रीचण्ड-स्वरूपायै नमः। ५०. श्रीचामुण्डायै नमः।

५१.श्रीचण्ड-निःस्वनायै नमः। ५२. श्रीचण्ड-वेगायै नमः। ५३. श्रीचण्ड-गत्यै नमः। ५४. श्रीचण्ड-विनाशिन्यै नमः। ५५. श्रीमुण्ड-विनाशिन्यै नमः। ५६.श्रीचाण्डालिन्यै नमः। ५७. श्रीचित्र-रेखायै नमः। ५८. श्रीचित्राङ्ग्यै नमः। ५९. श्रीचित्र-रूपिण्यै नमः। ६०. श्रीकृष्णायै नमः। ६१. श्रीकपर्दिन्यै नमः। ६२. श्रीकुल्लायै नमः। ६३. श्रीकृष्ण-रूपायै नमः। ६४. श्रीक्रियावत्यै नमः। ६५. श्रीकुम्भ-स्तन्यै नमः। ६६. श्रीमहोन्मत्तायै नमः। ६७. श्रीमदिरा-पान-विह्वलायै नमः। ६८. श्रीचतुर्भुजायै नमः। ६९. श्रीललज्जिह्वायै नमः। ७०. श्रीशत्रु-संहार-कारिण्यै नमः। ७१. श्रीशवारूढायै नमः। ७२. श्रीशव-गतायै नमः। ७३. श्रीश्मशान-स्थान-वासिन्यै नमः। ७४. श्रीदुराराध्यायै नमः। ७५.श्रीदुराचारायै नमः।

७६. श्रीदुर्जन-प्रीति-दायिन्यै नमः। ७७. श्रीनिर्मांसायै नमः। ७८. श्रीनिराकारायै नमः। ७९. श्रीधूम-हस्तायै नमः। ८०. श्रीवरान्वितायै नमः। ८१. श्रीकलहायै नमः। ८२.श्रीकलि-प्रीतायै नमः। ८३. श्रीकलि-कल्मष-नाशिन्यै नमः। ८४. श्रीमहा-काल-स्वरूपायै नमः। ८५. श्रीमहा-काल-प्रपूजितायै नमः। ८६. श्रीमहा-देव-प्रियायै नमः। ८७. श्रीमेधायै नमः। ८८. श्रीमहा-सङ्कष्ट-नाशिन्यै नमः। ८९. श्रीभक्त-प्रियायै नमः। ९०. श्रीभक्त-गत्यै नमः। ९१. श्रीभक्त-शत्रु-विनाशिन्यै नमः। ९२. श्रीभैरव्यै नमः। ९३. श्रीभुवनायै नमः। ९४. श्रीभीमायै नमः। ९५. श्रीभारत्यै नमः। ९६. श्रीभुवनात्मिकायै नमः। ९७. श्रीभेरुण्डायै नमः। ९८. श्रीभीम-नयनायै नमः। ९९. श्रीत्रि-नेत्रायै नमः। १००. श्रीबहु-रूपिण्यै नमः।

१०१. श्रीत्रिलोकेश्यै नमः। १०२. श्रीत्रिकालज्ञायै नमः। १०३. श्रीत्रि-स्वरूपायै नमः। १०४. श्रीत्रयी-तनवे नमः। १०५. श्रीत्रि-मूर्त्यै नमः। १०६. श्रीतन्व्यै नमः। १०७. श्रीत्रि-शक्तये नमः। १०८. श्रीत्रि-शूलिन्यै नमः।

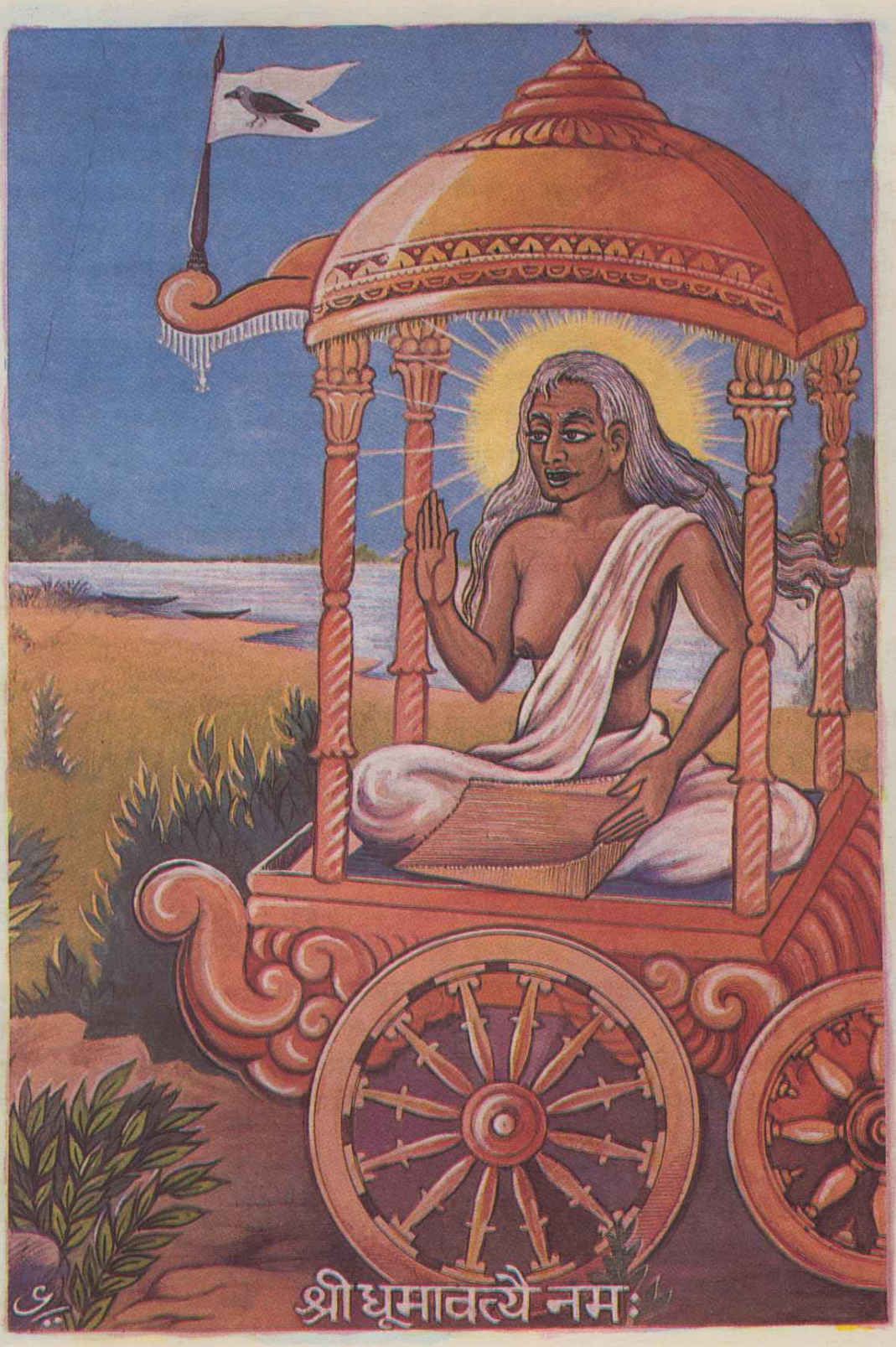
श्री धूमावत्यै नमः

■ श्रीबगला-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीबगलायै नमः। २. श्रीविष्णु-वनितायै नमः। ३. श्रीविष्णु-शङ्कर-भामिन्यै नमः। ४. श्रीबहुलायै नमः। ५. श्रीवेद-मात्रे नमः। ६. श्रीमहा-विष्णु-प्रस्वै नमः। ७. श्रीमहा-मत्स्यायै नमः। ८. श्रीमहा-कूर्मायै नमः। ९. श्रीमहा-वाराह-रूपिण्यै नमः। १०. श्रीनर-सिंह-प्रियायै नमः। ११. श्रीरम्यायै नमः। १२. श्रीवामनायै नमः। १३. श्रीवटु-रूपिण्यै नमः। १४. श्रीजामदग्न्य-स्वरूपायै नमः। १५. श्रीरामायै नमः। १६. श्रीराम-प्रपूजितायै नमः। १७. श्रीकृष्णायै नमः। १८. श्रीकपर्दिन्यै नमः। १९. श्रीकृत्यायै नमः। २०. श्रीकलहायै नमः। २१. श्रीकल-कारिण्यै नमः। २२. श्रीबुद्धि-रूपायै नमः। २३. श्रीबुद्ध-भार्यायै नमः। २४. श्रीबौद्ध-पाखण्ड-खण्डिन्यै नमः। २५. श्रीकल्कि-रूपायै नमः।

२६. श्रीकलि-हरायै नमः। २७. श्रीकलि-दुर्गति-नाशिन्यै नमः। २८. श्रीकोटि-सूर्य-प्रतीकाशायै नमः। २९. श्रीकोटि-कन्दर्प-मोहिन्यै नमः। ३०. श्रीकेवलायै नमः। ३१. श्रीकठिनायै नमः। ३२. श्रीकाल्यै नमः। ३३. श्रीकलायै नमः। ३४. श्रीकैवल्य-दायिन्यै नमः। ३५. श्रीकेशव्यै नमः। ३६. श्रीकेशवाराध्यायै नमः। ३७. श्रीकिशोर्यै नमः। ३८. श्रीकेशव-स्तुतायै नमः। ३९. श्रीरुद्र-रूपायै नमः। ४०. श्रीरुद्र-मूर्त्यै नमः। ४१. श्रीरुद्राण्यै नमः। ४२. श्रीरुद्र-देवतायै नमः। ४३. श्रीनक्षत्र-रूपायै नमः। ४४. श्रीनक्षत्रायै नमः। ४५. श्रीनक्षत्रेश-प्रपूजितायै नमः। ४६. श्रीनक्षत्रेश-प्रियायै नमः। ४७. श्रीनित्यायै नमः। ४८. श्रीनक्षत्र-पति-वन्दितायै नमः। ४९. श्रीनागिन्यै नमः। ५०. श्रीनाग-जनन्यै नमः।

५१. श्रीनाग-राज-प्रवन्दितायै नमः। ५२. श्रीनागेश्वर्यै नमः। ५३. श्रीनाग-कन्यायै नमः। ५४. श्रीनागर्यै नमः। ५५. श्रीनगात्मजायै नमः। ५६. श्रीनगाधिराज-तनयायै नमः। ५७. श्रीनग-राज-प्रपूजितायै नमः। ५८. श्रीनवीनायै नमः। ५९. श्रीनीरदायै नमः। ६०. श्रीपीतायै नमः। ६१. श्रीश्यामायै नमः। ६२. श्रीसौन्दर्य-कारिण्यै नमः। ६३. श्रीरक्तायै नमः। ६४. श्रीनीलायै नमः। ६५. श्रीघनायै नमः। ६६. श्रीशुभ्रायै नमः। ६७. श्रीश्वेतायै नमः। ६८. श्रीसौभाग्य-दायिन्यै नमः। ६९. श्रीसुन्दर्यै नमः। ७०. श्रीसौभगायै नमः। ७१. श्रीसौम्यायै नमः। ७२. श्रीस्वर्णाभायै नमः। ७३. श्रीस्वर्गति-प्रदायै नमः। ७४. श्रीरिपु-त्रास-कर्यै नमः। ७५. श्रीरेखायै नमः।

७६. श्रीशत्रु-संहार-कारिण्यै नमः। ७७. श्रीभामिन्यै नमः। ७८. श्रीमायायै नमः। ७९. श्रीस्तम्भिन्यै नमः। ८०. श्रीमोहिन्यै नमः। ८१. श्रीशुभायै नमः। ८२. श्रीराग-द्वेष-कर्यै नमः। ८३. श्रीरात्र्यै नमः। ८४. श्रीरौरव-ध्वंस-कारिण्यै नमः। ८५. श्रीयक्षिण्यै नमः। ८६. श्रीसिद्ध-निवहायै नमः। ८७. श्रीसिद्धेशायै नमः। ८८. श्रीसिद्धि-रूपिण्यै नमः। ८९. श्रीलङ्का-पति-ध्वंस-कर्यै नमः। ९०. श्रीलङ्केश-रिपु-वन्दितायै नमः। ९१. श्रीलङ्का-नाथ-कुल-हरायै नमः। ९२. श्रीमहा-रावण-हारिण्यै नमः। ९३. श्रीदेव-दानव-सिद्धौघ-पूजिता-परमेश्वर्यै नमः। ९४. श्रीपराणु-रूपा-परमायै नमः। ९५. श्रीपर-तन्त्र-विनाशिन्यै नमः। ९६. श्रीवरदायै नमः। ९७. श्रीवरदाऽऽराध्यायै नमः। ९८. श्रीवर-दान-परायणायै नमः। ९९. श्रीवर-देश-प्रिया-वीरायै नमः। १००. श्रीवीर-भूषण-भूषितायै नमः।

१०१. श्रीवसुदायै नमः। १०२. श्रीबहुदा-वाण्यै नमः। १०३. श्रीब्रह्म-रूपा-वराननायै नमः। १०४. श्रीबलदायै नमः। १०५. श्रीपीत-वसना-पीत-भूषण-भूषितायै नमः। १०६. श्रीपीत-पुष्प-प्रियायै नमः। १०७. श्रीपीत-हारायै नमः। १०८. श्रीपीत-स्वरूपिण्यै नमः।

देवी श्री बगला

■ श्रीमातङ्गी-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीमहा-मत्त-मातङ्गिन्यै नमः। २. श्रीसिद्धि-रूपायै नमः। ३. श्रीयोगिन्यै नमः। ४. श्रीभद्र-काल्यै नमः। ५. श्रीरमायै नमः। ६. श्रीभवान्यै नमः। ७. श्रीभय-प्रीतिदायै नमः। ८. श्रीभूति-युक्तायै नमः। ९. श्रीभवाराधितायै नमः। १०. श्रीभूति-सम्पत्ति-कर्यै नमः। ११. श्रीजनाधीश-मात्रे नमः। १२. श्रीधनागार-दृष्टयै नमः। १३. श्रीधनेशार्चितायै नमः। १४. श्रीधीवरायै नमः। १५. श्रीधीवराङ्गयै नमः। १६. श्रीप्रकृष्टायै नमः। १७. श्रीप्रभा-रूपिण्यै नमः। १८. श्रीकाम-रूपायै नमः। १९. श्रीप्रहृष्टायै नमः। २०. श्रीमहा-कीर्तिदायै नमः। २१. श्रीकर्ण-नाल्यै नमः। २२. श्रीकाल्यै नमः। २३. श्रीभगाघोर-रूपायै नमः। २४. श्रीभगाङ्गयै नमः। २५. श्रीभगावाह्यै नमः।

२६. श्रीभग-प्रीतिदायै नमः। २७. श्रीभीम-रूपायै नमः। २८. श्रीभवानी-महा-कौशिक्यै नमः। २९. श्रीकोश-पूर्णायै नमः। ३०. श्रीकिशोर्यै नमः। ३१. श्रीकिशोर-प्रियानन्द-ईहायै नमः। ३२. श्रीमहा-कारणायै नमः। ३३. श्रीकारणायै नमः। ३४. श्रीकर्म-शीलायै नमः। ३५. श्रीकपाल्यै नमः। ३६. श्रीप्रसिद्धायै नमः। ३७. श्रीमहा-सिद्ध-खण्डायै नमः। ३८. श्रीमकार-प्रियायै नमः। ३९. श्रीमान-रूपायै नमः। ४०. श्रीमहेश्यै नमः। ४१. श्रीमहोल्लासिन्यै नमः। ४२. श्रीलास्य-लीला-लयाङ्गयै नमः। ४३. श्रीक्षमायै नमः। ४४. श्रीक्षेम-शीलायै नमः। ४५. श्रीक्षपा-कारिण्यै नमः। ४६. श्रीअक्षय-प्रीतिदा-भूति-युक्ता-भवान्यै नमः। ४७. श्रीभवाराधिता-भूति-सत्यात्मिकायै नमः। ४८. श्रीप्रभोद्भासितायै नमः। ४९. श्रीभानु-भास्वत्-करायै नमः। ५०. श्रीचलत्-कुण्डलायै नमः।

५१. श्रीकामिनी-कान्त-युक्तायै नमः। ५२. श्रीकपालाऽचलायै नमः। ५३. श्रीकालकोद्धारिण्यै नमः। ५४. श्रीकदम्ब-प्रियायै नमः। ५५. श्रीकोटर्यै नमः। ५६. श्रीकोट-देहायै नमः। ५७. श्रीक्रमायै नमः। ५८. श्रीकीर्तिदायै नमः। ५९. श्रीकर्ण-रूपायै नमः। ६०. श्रीकाक्ष्म्यै नमः। ६१. श्रीक्षमाङ्यै नमः। ६२. श्रीक्षय-प्रेम-रूपायै नमः। ६३. श्रीक्षपायै नमः। ६४. श्रीक्षयाक्षायै नमः। ६५. श्रीक्षयाह्वायै नमः। ६६. श्रीक्षय-प्रान्तरायै नमः। ६७. श्रीक्षवत्-कामिन्यै नमः। ६८. श्रीक्षारिण्यै नमः। ६९. श्रीक्षीर-पूषायै नमः। ७०. श्रीशिवाङ्गयै नमः।

७१. श्रीशाकम्भर्यै नमः। ७२. श्रीशाक-देहायै नमः। ७३. श्रीमहा-शाक-यज्ञायै नमः। ७४. श्रीफल-प्राशकायै नमः। ७५. श्रीशकाह्वा-शकाख्या-शकायै नमः। ७६. श्रीशकाक्षान्तरोषायै नमः। ७७. श्रीसुरोषायै नमः। ७८. श्रीसुरेखायै नमः। ७९. श्रीमहा-शेष-यज्ञोपवीत-प्रियायै नमः। ८०. श्रीजयन्ती-जया-जाग्रती-योग्य-रूपायै नमः। ८१. श्रीजयाङ्गायै नमः। ८२. श्रीजप-ध्यान-सन्तुष्ट-संज्ञायै नमः। ८३. श्रीजय-प्राण-रूपायै नमः। ८४. श्रीजय-स्वर्ण-देहायै नमः। ८५. श्रीजय-ज्वालिन्यै नमः। ८६. श्रीयामिन्यै नमः। ८७. श्रीयाम्य-रूपायै नमः। ८८. श्रीजगन्मातृ-रूपायै नमः। ८९. श्रीजगद्-रक्षणायै नमः। ९०. श्रीस्वधा-वौषडन्तायै नमः। ९१. श्रीविलम्बाविलम्बायै नमः। ९२. श्रीषडङ्गायै नमः। ९३. श्रीमहा-लम्ब-रूपाऽसि-हस्ताऽऽपदा-हारिण्यै नमः। ९४. श्रीमहा-मङ्गलायै नमः। ९५. श्रीमङ्गल-प्रेम-कीर्त्यै नमः। ९६. श्रीनिशुम्भ-क्षिदायै नमः। ९७. श्रीशुम्भ-दर्पत्वहायै नमः। ९८. श्रीआनन्द-बीजादि-स्वरूपायै नमः। ९९. श्रीमुक्ति-स्वरूपायै नमः। १००. श्रीचण्ड-मुण्डापदायै नमः।

१०१. श्रीमुख्य-चण्डायै नमः। १०२. श्रीप्रचण्डाऽप्रचण्डायै नमः। १०३. श्रीमहा-चण्ड-वेगायै नमः। १०४. श्रीचलच्चामरायै नमः। १०५. श्रीचामरा-चन्द्र-कीर्त्यै नमः। १०६. श्रीसु-चामीकरायै नमः। १०७. श्रीचित्र-भूषोज्ज्वलाङ्गयै नमः। १०८. श्रीसु-सङ्गीत-गीतायै नमः।

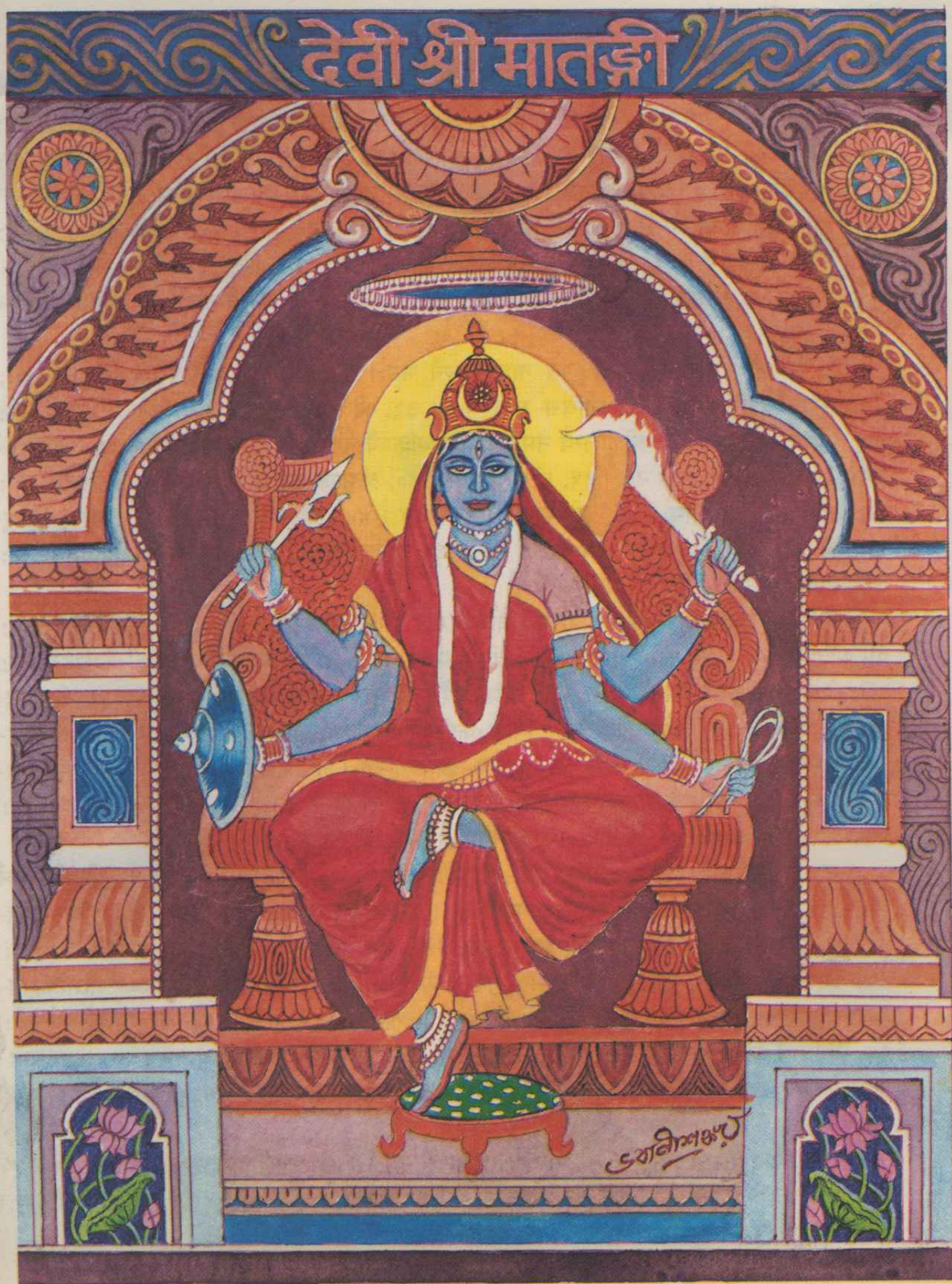
देवी श्री मातङ्गी

■ श्रीकमला-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीमहा-मायायै नमः। २. श्रीमहा-लक्ष्म्यै नमः। ३. श्रीमहा-वाण्यै नमः। ४. श्रीमहेश्वर्यै नमः। ५. श्रीमहा-देव्यै नमः। ६. श्रीमहा-रात्र्यै नमः। ७. श्रीमहिषासुर-मर्दिन्यै नमः। ८. श्रीकाल-रात्र्यै नमः। ९. श्रीकुहवै नमः। १०. श्रीपूर्णायै नमः। ११. श्रीआनन्दायै नमः। १२. श्रीआद्यायै नमः। १३. श्रीभद्रिकायै नमः। १४. श्रीनिशायै नमः। १५. श्रीजयायै नमः। १६. श्रीरिक्तायै नमः। १७. श्रीमहा-शक्त्यै नमः। १८. श्रीदेव-मात्रे नमः। १९. श्रीकृशोदर्यै नमः। २०. श्रीशच्यै नमः। २१. श्रीइन्द्राण्यै नमः। २२. श्रीशक्र-नुतायै नमः। २३. श्रीशङ्कर-प्रिय-वल्लभायै नमः। २४. श्रीमहा-वराह-जनन्यै नमः। २५. श्रीमदनोन्मथिन्यै नमः।

२६. श्रीमह्यै नमः। २७. श्रीवैकुण्ठ-नाथ-रमण्यै नमः। २८. श्रीविष्णु-वक्ष-स्थल-स्थितायै नमः। २९. श्रीविश्वेश्वर्यै नमः। ३०. श्रीविश्व-मात्रे नमः। ३१. श्रीवरदायै नमः। ३२. श्रीअभयदायै नमः। ३३. श्रीशिवायै नमः। ३४. श्रीशूलिन्यै नमः। ३५. श्रीचक्रिण्यै नमः। ३६. श्रीपद्मायै नमः। ३७. श्रीपाशिन्यै नमः। ३८. श्रीशङ्ख-धारिण्यै नमः। ३९. श्रीगदिन्यै नमः।४०. श्रीमुण्ड-मालायै नमः। ४१. श्रीकमलायै नमः। ४२. श्रीकरुणालयायै नमः। ४३. श्रीपद्माक्ष-धारिण्यै नमः। ४४. श्रीअम्बायै नमः। ४५. श्रीमहा-विष्णु-प्रियङ्कर्यै नमः। ४६. श्रीगोलोक-नाथ-रमण्यै नमः। ४७. श्रीगोलोकेश्वर-पूजितायै नमः।४८. श्रीगयायै नमः। ४९. श्रीगङ्गायै नमः। ५०. श्रीयमुनायै नमः।

५१. श्रीगोमत्यै नमः। ५२. श्रीगरुडासनायै नमः। ५३. श्रीगण्डक्यै नमः। ५४. श्रीसरय्वै नमः। ५५. श्रीताप्यै नमः। ५६. श्रीरेवायै नमः। ५७. श्रीपयस्विन्यै नमः। ५८. श्रीनर्मदायै नमः। ५९. श्रीकावेर्यै नमः। ६०. श्रीकेदार-स्थल-वासिन्यै नमः। ६१. श्रीकिशोर्यै नमः। ६२. श्रीकेशव-नुतायै नमः। ६३. श्रीमहेन्द्र-परिवन्दितायै नमः। ६४. श्रीब्रह्मादि-देव-निर्माण-कारिण्यै नमः। ६५. श्रीदेव-पूजितायै नमः। ६६. श्रीकोटि-ब्रह्माण्ड-मध्यस्थायै नमः। ६७. श्रीकोटि-ब्रह्माण्ड-कारिण्यै नमः। ६८. श्रीश्रुति-रूपायै नमः। ६९. श्रीश्रुति-कर्य्यै नमः। ७०. श्रीश्रुति-स्मृति-परायणायै नमः। ७१. श्रीइन्दिरायै नमः। ७२. श्रीसिन्धु-तनयायै नमः। ७३. श्रीमातङ्ग्यै नमः। ७४. श्रीलोक-मातृकायै नमः। ७५. श्रीत्रिलोक-जनन्यै नमः।

७६. श्रीतन्त्रायै नमः। ७७. श्रीतन्त्र-मन्त्र-स्वरूपिण्यै नमः। ७८. श्रीतरुण्यै नमः। ७९. श्रीतमो-हन्त्र्यै नमः। ८०. श्रीमङ्गलायै नमः। ८१. श्रीमङ्गलायनायै नमः। ८२. श्रीमधु-कैटभ-मथिन्यै नमः। ८३. श्रीशुम्भासुर-विनाशिन्यै नमः। ८४. श्रीनिशुम्भादि-हरायै नमः। ८५. श्रीमात्रे नमः। ८६. श्रीहरि-पूजितायै नमः। ८७. श्रीशङ्कर-पूजितायै नमः। ८८. श्रीसर्व-देव-मय्यै नमः। ८९. श्रीसर्वायै नमः। ९०. श्रीशरणागत-पालिन्यै नमः। ९१. श्रीशरण्यायै नमः। ९२. श्रीशम्भु-वनितायै नमः! ९३. श्रीसिन्धु-तीर-निवासिन्यै नमः। ९४. श्रीगन्धर्व-गान-रसिकायै नमः। ९५. श्रीगीतायै नमः। ९६. श्रीगोविन्द-वल्लभायै नमः। ९७. श्रीत्रैलोक्य-पालिन्यै नमः। ९८. श्रीतत्त्व-रूप-तारुण्य-पूरितायै नमः। ९९. श्रीचन्द्रावल्यै नमः। १००. श्रीचन्द्र-मुख्यै नमः।

१०१. श्रीचन्द्रिकायै नमः। १०२. श्रीचन्द्र-पूजितायै नमः। १०३. श्रीचन्द्रायै नमः। १०४. श्रीशशाङ्क-भगिन्यै नमः। १०५. श्रीगीत-वाद्य-परायण्यै नमः। १०६. श्रीसृष्टि-रूपायै नमः। १०७. श्रीसृष्टि-कर्यै नमः। १०८. श्रीसृष्टि-संहार-कारिण्यै नमः।

देवीश्रीकमला

■ ककार-कूट-घटित-आद्या-शत-नामावली ■

१. ह्रीं श्रीकाल्यै नमः। २. श्रीं श्रीकरालयै नमः। ३. क्रीं श्रीकल्याण्यै नमः। ४. श्रीकलावत्यै नमः। ५. श्रीकमलायै नमः। ६. श्रीकलि-दर्पघ्न्यै नमः। ७. श्रीकपर्दीश-कृपान्वितायै नमः। ८.श्रीकालिकायै नमः। ९. श्रीकाल-मात्रे नमः। १०. श्रीकालानल-सम-द्युतये नमः। ११. श्रीकपर्दिन्यै नमः। १२. श्रीकरालास्यायै नमः। १३. श्रीकरुणाऽमृत-सागरायै नमः। १४. श्रीकृपा-मय्यै नमः। १५. श्रीकृपाधारायै नमः। १६. श्रीकृपापारायै नमः। १७. श्रीकृपा-गमायै नमः। १८. श्रीकृशानवे नमः। १९. श्रीकपिलायै नमः। २०. श्रीकृष्णायै नमः। २१. श्रीकृष्णानन्द-विवर्द्धिन्यै नमः। २२. श्रीकाल-रात्र्यै नमः। २३. श्रीकाम-रूपायै नमः। २४. श्रीकाम-शाप-विमोचन्यै नमः। २५. श्रीकादम्बिन्यै नमः।

२६. श्रीकलाधारायै नमः। २७. श्रीकलि-कल्मष-नाशिन्यै नमः। २८. श्रीकुमारी-पूजन-प्रीतायै नमः। २९. श्रीकुमारी-पूजकालयायै नमः। ३०.श्रीकुमारी-भोजनानन्दायै नमः। ३१. श्रीकुमारी-रूप-धारिण्यै नमः। ३२. श्रीकदम्ब-वन-सञ्चारायै नमः। ३३. श्रीकदम्ब-वन-वासिन्यै नमः। ३४. श्रीकदम्ब-पुष्प-सन्तोषायै नमः। ३५. श्रीकदम्ब-पुष्प-मालिन्यै नमः। ३६. श्रीकिशोर्यै नमः। ३७. श्रीकल-कण्ठायै नमः। ३८. श्रीकल-नाद-निनादिन्यै नमः। ३९. श्रीकादम्बरी-पान-रतायै नमः। ४०. श्रीकादम्बरी-प्रियायै नमः। ४१. श्रीकपाल-पात्र-निरतायै नमः। ४२. श्रीकङ्काल-माल्य-धारिण्यै नमः। ४३. श्रीकमलासन-सन्तुष्टायै नमः। ४४. श्रीकमलासन-वासिन्यै नमः। ४५. श्रीकमलालय-मध्यस्थायै नमः। ४६. श्रीकमला-मोद-मोदिन्यै नमः। ४७. श्रीकल-हंस-गत्यै नमः। ४८. श्रीकलैव्य-नाशिन्यै नमः। ४९. श्रीकाम-रूपिण्यै नमः। ५०. श्रीकाम-रूप-कृतावासायै नमः।

५१. श्रीकाम-पीठ-विलासिन्यै नमः। ५२. श्रीकमनीयायै नमः। ५३. श्रीकल्प-लतायै नमः। ५४. श्रीकमनीय-विभूषणायै नमः। ५५. श्रीकमनीय-गुणाराध्यायै नमः। ५६. श्रीकोमलाङ्ग्यै नमः। ५७. श्रीकृशोदर्यै नमः। ५८. श्रीकरणामृत-सन्तोषायै नमः। ५९. श्रीकारणानन्द-सिद्धिदायै नमः। ६०. श्रीकारणानन्द-जापेष्टायै नमः। ६१. श्रीकारणार्चन-हर्षितायै नमः। ६२. श्रीकारणार्णव-सम्मग्नायै नमः। ६३. श्रीकारण-व्रत-पालिन्यै नमः। ६४. श्रीकस्तूरी-सौरभामोदायै नमः। ६५. श्रीकस्तूरी-तिलकोज्ज्वलायै नमः। ६६. श्रीकस्तूरी-पूजन-रतायै नमः। ६७. श्रीकस्तूरी-पूजक-प्रियायै नमः। ६८. श्रीकस्तूरी-दाह-जनन्यै नमः। ६९. श्रीकस्तूरी-मृग-तोषिण्यै नमः। ७०. श्रीकस्तूरी-भोजन-प्रीतायै नमः। ७१. श्रीकर्पूरामोद-मोदितायै नमः। ७२. श्रीकर्पूर-चन्दनोक्षितायै नमः। ७३. श्रीकर्पूर-मालाऽऽभरणायै नमः। ७४. श्रीकर्पूर-कारणाह्लादायै नमः। ७५. श्रीकर्पूरामृत-पायिन्यै नमः।

७६. श्रीकर्पूर-सागर-स्नातायै नमः। ७७. श्रीकर्पूर-सागरालयायै नमः। ७८. श्रीकूर्च-बीज-जप-प्रीतायै नमः। ७९. श्रीकूर्च-जाप-परायणायै नमः। ८०. श्रीकुलीनायै नमः। ८१. श्रीकौलिकाराध्यायै नमः। ८२. श्रीकौलिक-प्रिय-कारिण्यै नमः। ८३. श्रीकुलाचारायै नमः। ८४. श्रीकौतुकिन्यै नमः। ८५. श्रीकुल-मार्ग-प्रदर्शिन्यै नमः। ८६. श्रीकाशीश्वर्यै नमः। ८७.श्रीकष्ट-हर्त्र्यै नमः। ८८. श्रीकाशीश-वर-दायिन्यै नमः। ८९. श्रीकाशीश्वरी-कृतामोदायै नमः। ९०. श्रीकाशीश्वर-मनोरमायै नमः। ९१. श्रीकल-मञ्जीर-चरणायै नमः। ९२. श्रीक्वणत्-काञ्ची-विभूषणायै नमः। ९३. श्रीकाञ्चनाद्रि-कृताधारायै नमः। ९४. श्रीकाञ्चनाञ्चल-कौमुद्यै नमः। ९५. श्रीकाम-बीज-जपानन्दायै नमः। ९६. श्रीकाम-बीज-स्वरूपिण्यै नमः। ९७. श्रीकु-मतिघ्न्यै नमः। ९८. श्रीकुलीनार्ति-नाशिन्यै नमः। ९९. श्रीकुल-कामिन्यै नमः। १००. श्री क्रीं ह्रीं श्रीं-मन्त्र-वर्णेन काल-कण्टक-घातिन्यै नमः।

■ श्रीबगला-अष्टोत्तर-शत-नामावली ■

१. श्रीब्रह्मास्त्र-रूपिणी-देवी माता श्रीबगलामुख्यै नमः। २. श्रीचिच्छक्त्यै नमः। ३.श्रीज्ञान-रूपायै नमः। ४. श्रीब्रह्मानन्द-प्रदायिन्यै नमः। ५. श्रीमहा-विद्यायै नमः। ६. श्रीमहा-लक्ष्म्यै नमः। ७. श्रीमत्-त्रिपुर-सुन्दर्यै नमः। ८. श्रीभुवनेश्यै नमः। ९. श्रीजगन्मात्रे नमः। १०. श्रीपार्वत्यै नमः। ११. श्रीसर्व-मङ्गलायै नमः। १२. श्रीललितायै नमः। १३. श्रीभैरव्यै नमः। १४. श्रीशान्तायै नमः। १५. श्रीअन्नपूर्णायै नमः। १६. श्रीकुलेश्वर्यै नमः। १७. श्रीवाराह्यै नमः। १८. श्रीछिन्न-मस्तायै नमः। १९. श्रीतारायै नमः। २०. श्रीकाल्यै नमः। २१. श्रीसरस्वत्यै नमः। २२. श्रीजगत्-पूज्यायै नमः। २३. श्रीमहा-मायायै नमः। २४. श्रीकामेश्यै नमः। २५. श्रीभग-मालिन्यै नमः।

२६. श्रीदक्ष-पुत्र्यै नमः। २७. श्रीशिवाङ्कस्थायै नमः। २८. श्रीशिव-रूपायै नमः। २९. श्रीशिव-प्रियायै नमः। ३०. श्रीसर्व-सम्पत्-करी-देव्यै नमः। ३१. श्रीसर्व-लोक-वशङ्कर्यै नमः। ३२. श्रीवेद-विद्यायै नमः। ३३. श्रीमहा-पूज्यायै नमः। ३४. श्रीभक्ताद्वेष्यै नमः। ३५. श्रीभयङ्कर्यै नमः। ३६. श्रीस्तम्भ-रूपायै नमः। ३७. श्रीस्तम्भिन्यै नमः। ३८. श्रीदुष्ट-स्तम्भन-कारिण्यै नमः। ३९. श्रीभक्त-प्रियायै नमः। ४०. श्रीमहा-भोगायै नमः। ४१. श्रीश्रीविद्यायै नमः। ४२. श्रीललिताम्बिकायै नमः। ४३. श्रीमेना-पुत्र्यै नमः। ४४. श्रीशिवानन्दायै नमः। ४५. श्रीमातङ्ग्यै नमः। ४६. श्रीभुवनेश्वर्यै नमः। ४७. श्रीनारसिंह्यै नमः। ४८. श्रीनरेन्द्रायै नमः। ४९. श्रीनृपाराध्यायै नमः। ५०. श्रीनरोत्तमायै नमः।

५१. श्रीनागिन्यै नमः। ५२. श्रीनाग-पुत्र्यै नमः। ५३. श्रीनग-राज-सुतायै नमः। ५४. श्रीउमायै नमः। ५५. श्रीपीताम्बरायै नमः। ५६. श्रीपीत-पुष्पायै नमः। ५७. श्रीपीत-वस्त्र-प्रियायै नमः। ५८. श्रीशुभायै नमः। ५९. श्रीपीत-गन्ध-प्रियायै नमः। ६०. श्रीरामायै नमः। ६१. श्रीपीत-रत्नार्चितायै नमः। ६२. श्रीशिवायै नमः। ६३. श्रीअर्द्ध-चन्द्र-धरी-देव्यै नमः। ६४. श्रीगदा-मुद्गर-धारिण्यै नमः। ६५. श्रीसावित्र्यै नमः। ६६. श्रीत्रि-पदायै नमः। ६७. श्रीशुद्धायै नमः। ६८. श्रीसद्यो-राग-विवर्द्धिन्यै नमः। ६९. श्रीविष्णु-रूपायै नमः। ७०. श्रीजगन्मोहायै नमः। ७१. ब्रह्म-रूपायै नमः। ७२. श्रीहरि-प्रियायै नमः। ७३. श्रीरुद्र-रूपायै नमः। ७४. श्रीरुद्र-शक्त्यै नमः। ७५. श्रीचिन्मय्यै नमः।

७६. श्रीभक्त-वत्सलायै नमः। ७७. श्रीलोक-माता-शिवायै नमः। ७८. श्रीसन्ध्यायै नमः। ८९. श्रीशिव-पूजन-तत्परायै नमः। ८०. श्रीधनाध्यक्षायै नमः। ८१. श्रीधनेश्यै नमः। ८२. श्रीधर्मदायै नमः। ८३. श्रीधनदायै नमः। ८४. श्रीधनायै नमः। ८५. श्रीचण्ड-दर्प-हरी-देव्यै नमः। ८६. श्रीशुम्भासुर-निवर्हिण्यै नमः। ८७. श्रीराज-राजेश्वरी-देव्यै नमः। ८८. श्रीमहिषासुर-मर्दिन्यै नमः। ८९. श्रीमधु-कैटभ-हन्त्र्यै नमः। ९०. श्रीरक्त-बीज-विनाशिन्यै नमः। ९१. श्रीधूम्राक्ष-दैत्य-हन्त्र्यै नमः। ९२. श्रीचण्डासुर-विनाशिन्यै नमः। ९३. श्रीरेणु-पुत्र्यै नमः। ९४. श्रीमहा-मायायै नमः। ९५. श्रीभ्रामर्यै नमः। ९६. श्रीभ्रमराम्बिकायै नमः। ९७. श्रीज्वाला-मुख्यै नमः। ९८. श्रीभद्र-काल्यै नमः। ९९. श्रीशत्रु-नाशिन्यै नमः। १००. श्रीइन्द्राण्यै नमः।

१०१. श्रीइन्द्र-पूज्यायै नमः। १०२. श्रीगुह-मात्रे नमः। १०३. श्रीगुणेश्वर्यै नमः। १०४. श्रीवज्र-पाश-धरा-देव्यै नमः। १०५. श्रीजिह्वा-धारिण्यै नमः। १०६. श्रीमुद्गर-धारिण्यै नमः। १०७. श्रीभक्तानन्द-करी-देव्यै नमः। १०८. श्रीबगला-परमेश्वर्यै नमः।

■ श्रीललिता-लकारादि-शत-नामावली ■

१. श्रीललितायै नमः। २. श्रीलक्ष्म्यै नमः। ३. श्रीलोलाक्ष्यै नमः। ४. श्रीलक्ष्मणायै नमः। ५. श्रीलक्ष्मणार्चितायै नमः। ६. श्रीलक्ष्मण-प्राण-रक्षिण्यै नमः। ७. श्रीलाकिन्यै नमः। ८. श्रीलक्ष्मण-प्रियायै नमः। ९. श्रीलोलायै नमः। १०. श्रीलकारायै नमः। ११. श्रीलोमशायै नमः। १२. श्रीलोल-जिह्वायै नमः। १३. श्रीलज्जावत्यै नमः। १४. श्रीलक्ष्यायै नमः। १५. श्रीलाक्ष्यायै नमः। १६. श्रीलक्ष-रतायै नमः। १७. श्रीलकाराक्षर-भूषितायै नमः। १८. श्रीलोल-लयात्मिकायै नमः। १९. श्रीलीलायै नमः। २०. श्रीलीलावत्यै नमः। २१. श्रीलाङ्गल्यै नमः। २२. श्रीलावण्यामृत-सारायै नमः। २३. श्रीलावण्यामृत-दीर्घिकायै नमः। २४. श्रीलज्जायै नमः। २५. श्रीलज्जा-मत्यै नमः।

२६. श्रीलज्जायै नमः। २७. श्रीललनायै नमः। २८. श्रीललन-प्रियायै नमः। २९. श्रीलवणायै नमः। ३०. श्रीलवल्यै नमः। ३१. श्रीलसायै नमः। ३२. श्रीलाक्षिव्यै नमः। ३३. श्रीलुब्धायै नमः। ३४. श्रीलालसायै नमः। ३५. श्रीलोक-मात्रे नमः। ३६. श्रीलोक-पूज्यायै नमः। ३७. श्रीलोक-जनन्यै नमः। ३८. श्रीलोलुपायै नमः। ३९. श्रीलोहितायै नमः। ४०. श्रीलोहिताक्ष्यै नमः। ४१. श्रीलिङ्गाख्यायै नमः। ४२. श्रीलिङ्गेश्यै नमः। ४३. श्रीलिङ्ग-गीत्यै नमः। ४४. श्रीलिङ्ग-भवायै नमः। ४५. श्रीलिङ्ग-मालायै नमः। ४६. श्रीलिङ्ग-प्रियायै नमः। ४७. श्रीलिङ्गाभिधायिन्यै नमः। ४८. श्रीलिङ्गायै नमः। ४९. श्रीलिङ्ग-नाम-सदानन्दायै नमः। ५०. श्रीलिङ्गामृत-प्रीतायै नमः।

५१. श्रीलिङ्गार्चन-प्रीतायै नमः। ५२. श्रीलिङ्ग-पूज्यायै नमः। ५३. श्रीलिङ्ग-रूपायै नमः। ५४. श्रीलिङ्गस्थायै नमः। ५५. श्रीलिङ्गालिङ्गन-तत्परायै नमः। ५६. श्रीलता-पूजन-रतायै नमः। ५७. श्रीलता-साधक-तुष्टिदायै नमः। ५८. श्रीलता-पूजक-रक्षिण्यै नमः। ५९. श्रीलता-साधन-सिद्धिदायै नमः। ६०. श्रीलता-गृह-निवासिन्यै नमः। ६१. श्रीलता-पूज्यायै नमः। ६२. श्रीलताराध्यायै नमः। ६३. श्रीलता-पुष्पायै नमः। ६४. श्रीलता-रतायै नमः। ६५. श्रीलताधारायै नमः। ६६. श्रीलता-मय्यै नमः। ६७. श्रीलता-स्पर्शन-सन्तुष्टायै नमः। ६८. श्रीलताऽऽलिङ्गन-हर्षितायै नमः। ६९. श्रीलता-विद्यायै नमः। ७०. श्रीलता-सारायै नमः। ७१. श्रीलताऽऽचारायै नमः। ७२. श्रीलता-निधये नमः। ७३. श्रीलवङ्ग-पुष्प-सन्तुष्टायै नमः। ७४. श्रीलवङ्ग-लता-मध्यस्थायै नमः। ७५. श्रीलवङ्ग-लतिका-रूपायै नमः।

७६. श्रीलवङ्ग-होम-सन्तुष्टायै नमः। ७७. श्रीलकाराक्षर-पूजितायै नमः। ७८. श्रीलकार-वर्णोद्भवायै नमः। ७९. श्रीलकार-वर्ण-भूषितायै नमः। ८०. श्रीलकार-वर्ण-रुचिरायै नमः। ८१. श्रीलकार-बीजोद्भवायै नमः। ८२. श्रीलकाराक्षर-स्थितायै नमः। ८३. श्रीलकार-बीज-निलयायै नमः। ८४. श्रीलकार-बीज-सर्वस्वायै नमः। ८५. श्रीलकार-वर्ण-सर्वाङ्ग्यै नमः। ८६. श्रीलक्ष्य-छेदन-तत्परायै नमः। ८७. श्रीलक्ष्य-धरायै नमः। ८८. श्रीलक्ष्य-घूर्णायै नमः। ८९. श्रीलक्ष-जापेन-सिद्धिदायै नमः। ९०. श्री लक्ष-कोटि-रूप-धरायै नमः। ९१. श्रीलक्ष-लीला-कला-लक्ष्यायै नमः। ९२. श्रीलोक-पालेनार्चितायै नमः। ९३. श्रीलाक्षा-राग-विलेपनायै नमः। ९४. श्रीलोकातीतायै नमः। ९५. श्रीलोप-मुद्रायै नमः। ९६. श्रीलज्जा-बीज-स्वरूपिण्यै नमः। ९७. श्रीलज्जा-हीनायै नमः। ९८. श्रीलज्जा-मय्यै नमः। ९९. श्रीलोक-यात्रा-विधायिन्यै नमः। १००. श्रीलास्य-प्रियायै नमः।

१०१. श्रीलय-कर्यै नमः। १०२. श्रीलोक-लयायै नमः। १०३. श्रीलम्बोदर्यै नमः। १०४. श्रीलघिमादि-सिद्धि-दात्र्यै नमः। १०५. श्रीलावण्य-निधि-दायिन्यै नमः। १०६. श्रीलकार-वर्ण-ग्रथितायै नमः। १०७. श्रीलँ-बीजायै नमः। १०८. श्रीललिताम्बिकायै नमः।

'अष्टोत्तर-शत-नामों' द्वारा उपासना

- **दश महा-विद्याओं की उपासना** हेतु सबसे सरल उपाय '**अष्टोत्तर-शत-नाम**' हैं ।
- '**अष्टोत्तर-शत-नामों**' द्वारा हम–**१. नमन, २. पूजन, ३. तर्पण** और ४. **हवन**– चार प्रकार की उपासना कर सकते हैं ।
- '**अष्टोत्तर-शत-नाम**' द्वारा उक्त चार प्रकार की उपासना करने के लिए हमें '**शत-नामों**' में से प्रत्येक नाम का '**चतुर्थ्यन्त**'-रूप लेना पड़ता है । संस्कृत में चतुर्थी विभक्ति सम्प्रदान कारक की बोधक होती है । किसी शब्द के अन्त में इस चतुर्थी विभक्ति को लगाने से उस शब्द के अर्थ में "**के लिए**" का भाव जुड़ जाता है ।
- उदाहरण के लिए '**श्रीकाली-ककारादि-नाम-शताष्टक-नामावली**' (पृष्ठ ४) के पहले नाम '**श्रीकाल्यै नमः**' को देखिए । '**श्रीकाली-ककारादि-नाम-शताष्टक**' में पहला नाम है–'**श्रीकाली**' । इसमें चतुर्थी विभक्ति लगाने से इस नाम का रूप बनता है–'**श्रीकाल्यै**' । इसका भावार्थ होता है– '**श्रीकाली के लिए**' । इस चतुर्थ्यन्त-रूप के अन्त में '**नमः**' जोड़ने से भावार्थ होता है–'**श्रीकाली को नमस्कार** '। संक्षेप में, चतुर्थ्यन्त रूप के अन्त में '**नमः**' जोड़ने से '**नमन**'-क्रिया सम्पन्न करने के वाक्य बन जाते हैं ।
- अब यदि हमें '**नाम**'-**मन्त्रों से** '**पूजन**' करना है, तो प्रत्येक नाम के चतुर्थ्यन्त-रूप के अन्त में '**पूजयामि नमः**' जोड़ना होगा । यथा–'**श्रीकाल्यै पूजयामि नमः** ।'
- '**नाम**'-**मन्त्रों से** '**तर्पण**' करने के लिए चतुर्थ्यन्त-रूप के अन्त में '**तर्पयामि नमः**' जोड़ा जाता है । यथा– '**श्रीकाल्यै तर्पयामि नमः** ।'
- **नाम-मन्त्रों से** '**हवन**' करने के लिए चतुर्थ्यन्त-रूप के अन्त में '**नमः स्वाहा**' जोड़ा जाता है । यथा– '**श्रीकाल्यै नमः स्वाहा** ।'
- इस प्रकार **अष्टोत्तर-शत-नामों** के चतुर्थ्यन्त-रूप–'**अष्टोत्तर-शत-नामावली**' द्वारा **१. नमन, २. पूजन, ३. तर्पण** और **४. हवन– चार प्रकार से उपासना** हो सकती है । उपासना की यह विधि अत्यन्त सरल है । यह शीघ्र ही कण्ठाग्र भी हो जाती है । अतः प्रयोग-कर्त्ता कहीं भी, चलते-फिरते भी इसका प्रयोग कर सकते हैं ।

रजि० ३२९८१/५७

'जप' हेतु
श्रीबगलायै नमः

'पूजन' हेतु
श्रीबगलायै
पूजयामि नमः

'हवन' हेतु
श्रीबगलायै
नमः स्वाहा

'पूजन-तर्पण' हेतु
श्रीबगलायै पूजयामि नमः
तर्पयामि नमः

देवी श्रीबगला

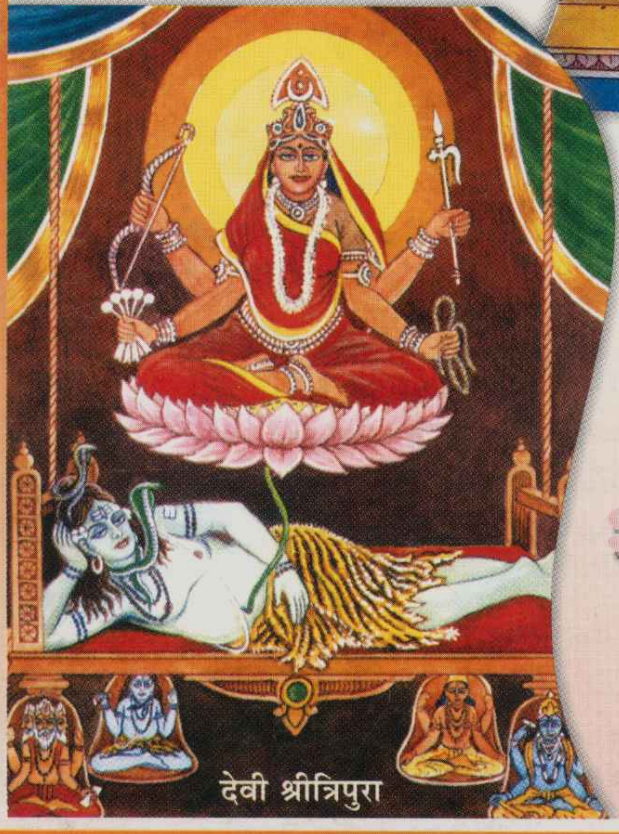

देवी श्रीत्रिपुरा

'जप' हेतु
श्रीत्रिपुरायै नमः

'पूजन' हेतु
श्रीत्रिपुरायै
पूजयामि नमः

'हवन' हेतु
श्रीत्रिपुरायै
नमः स्वाहा

'पूजन-तर्पण' हेतु
श्रीत्रिपुरायै पूजयामि नमः
तर्पयामि नमः

प्रकाशक : श्रीऋतशील शर्मा, श्रीचण्डी-धाम, प्रयाग-६ ☎ ०५३२-२५०२७८३